सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–12 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 30 जनवरी 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

सु–विचार

सुख व्यक्ति के अहंकार की परीक्षा लेता है, जबकि दुख व्यक्ति के धैर्य की परीक्षा लेता है, दोनों परीक्षा में उत्तीर्ण व्यक्ति का जीवन ही सफल है ।

....अज्ञात

भेदभाव मिटाने निकले नियम खुद बने विवाद की वजह, छात्रों का भविष्य फिर बना प्रयोगशाला

UGC के इक्विटी नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक, शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

आलोक तिवारी / रायपुर

देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा लागू किए गए इक्विटी रेगुलेशंस-2026 पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने के बाद शिक्षा जगत में व्यापक चर्चा शुरू हो गई है। अदालत के इस फैसले को न केवल कानूनी हस्तक्षेप माना जा रहा है, बल्कि इसे नीति निर्माण में हुई गंभीर चूक पर सख्त चेतावनी के रूप में भी देखा जा रहा है।

UGC द्वारा भेदभाव समाप्त करने के उद्देश्य से बनाए गए इन नियमों को लेकर शुरुआत से ही आपत्तियां सामने आने लगी थीं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन नियमों में भेदभाव की परिभाषा को केवल SC/ST/OBC वर्ग तक सीमित कर देना एकतरफा सोच का परिणाम था। इससे सामान्य वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग एवं अन्य समुदायों के छात्रों को न्याय की प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया।

इस विषय पर शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी छात्र के साथ भेदभाव, उसकी जाति या वर्ग देखकर नहीं होता, बल्कि परिस्थितियों और मानसिक उत्पीड़न से होता है। ऐसे में नियमों को सीमित दायरे में बांधना सामाजिक न्याय की भावना के विपरीत माना जा रहा है।

नए नियमों में झूठी शिकायत पर दंड का प्रावधान हटाए जाने को भी गंभीर चूक बताया जा रहा है। इससे विश्वविद्यालय परिसरों में भय और असमंजस का माहौल बन गया था। कई शिक्षकों और छात्रों ने आशंका जताई थी कि यह व्यवस्था व्यक्तिगत द्वेष और दबाव बनाने का माध्यम बन सकती है।

शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि बार-बार नियमों में बदलाव से छात्रों का भविष्य अस्थिर होता जा रहा है। हर नई सरकार और हर नया आयोग नई व्यवस्था लागू कर देता है, जिससे शिक्षा नीति एक प्रयोगशाला बनकर रह गई है।

इस पूरे मामले में राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। विपक्ष ने इसे भेदभावपूर्ण नीति बताया है, जबकि सरकार ने इसे सुधार का प्रयास कहा है। लेकिन इस राजनीतिक खींचतान में सबसे अधिक नुकसान छात्रों को उठाना पड़ा है।

UGC की कार्यप्रणाली पर भी अब सवाल उठने लगे हैं। कभी देश की शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ माना जाने वाला आयोग आज जल्दबाजी, संवादहीनता और पारदशिर्ता की कमी के आरोपों में घिरा हुआ है।

आने वाली 19 मार्च की सुनवाई को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। शिक्षा जगत को उम्मीद है कि इस सुनवाई के बाद वऋछ को स्पष्ट दिशा मिलेगी और एक संतुलित, न्यायपूर्ण व्यवस्था का निर्माण होगा।

अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसी नीति, जो भ्रम और विवाद को जन्म दे, उसे लागू नहीं किया जा सकता

देश के कई प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों—आईआईटी, जेएनयू, दिल्ली विश्वविद्यालय, बीएचयू और केंद्रीय विश्वविद्यालयों से नियमों के विरोध में आवाजें उठी थीं। कई जगहों पर प्रदर्शन भी हुए और अकादमिक माहौल प्रभावित हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप करते हुए नियमों को अस्पष्ट, असंतुलित और दुरुपयोग योग्य बताया। अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसी नीति, जो भ्रम और विवाद को जन्म दे, उसे लागू नहीं किया जा सकता। कोर्ट के आदेश के बाद 2012 के पुराने नियमों को अस्थायी रूप से लागू कर दिया गया है।

अंतरराष्ट्रीय शिक्षा मॉडल से भी सीख लेने की आवश्यकता

विशेषज्ञों का सुझाव है कि भविष्य में नियम बनाते समय सभी वर्गों को समान संरक्षण, पारदर्शी जांच प्रणाली और जवाबदेही व्यवस्था को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। साथ ही अंतरराष्ट्रीय शिक्षा मॉडल से भी सीख लेने की आवश्यकता है। अंतत : यह स्पष्ट है कि शिक्षा व्यवस्था किसी भी प्रयोग का माध्यम नहीं हो सकती। छात्र केवल डिग्री नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और न्याय चाहते हैं। नीति वही सफल होगी, जो सभी के लिए समान, स्पष्ट और भरोसेमंद हो।

संवेदनशीलता और संवाद जरूरी

भेदभाव मिटाने की लड़ाई कानून से नहीं, संवेदनशीलता और संवाद से जीती जाती है। UGC को अब केवल आदेश जारी करने वाला संस्थान नहीं, बल्कि भरोसे और संतुलन का प्रतीक बनना होगा।

हाईकोर्ट के निर्देश पर सब इंस्पेक्टर लाइन अटैच, एसपी ने लिया बड़ा एक्शन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले के स्मृतिनगर चौकी प्रभारी उप निरीक्षक गुरविंदर सिंह संधु को बुधवार को पद से हटाकर रक्षित केंद्र (लाइन अटैच) भेज दिया गया है। यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के सख्त निर्देशों के बाद की गई है, जिसने उनके आचरण की जांच कराने का आदेश पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को दिया था।सूत्रों के अनुसार, गुरविंदर सिंह पर दो व्यवसायियों के साथ मनमानी, अमानवीय व्यवहार और नियमों की अनदेखी कर कार्रवाई करने के गंभीर आरोप लगे थे। इन्हीं आरोपों के चलते पुलिस अधीक्षक ने यह प्रशासनिक कदम उठाया है।

व्यवसायियों के साथ कथित अमानवीय व्यवहार बना वजह

जानकारी के मुताबिक, व्यवसायी सुजीत साव समेत चार लोगों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में आरोप लगाया गया कि सुजीत साव को महिला से छेड़छाड़ और मारपीट के मामले में गिरफ्तार कर चौकी लाया गया, जहां उसके साथ मारपीट की गई।इतना ही नहीं, जेल भेजने से पहले उसे हथकड़ी पहनाकर सार्वजनिक रूप से सड़कों पर घुमाया गया और रात करीब 9 बजे जेल में दाखिल कराया गया। इस पूरी कार्रवाई को कोर्ट ने नियमों के विपरीत और मानवाधिकारों का उल्लंघन माना।

हाईकोर्ट की सख्ती, डीजीपी को दिए थे जांच के आदेश

हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान स्पष्ट कहा था कि एसआई गुरविंदर सिंह संधु की कार्रवाई अनुचित प्रतीत होती है। कोर्ट ने डीजीपी को निर्देश दिए थे कि मामले की उपयुक्त स्तर पर जांच कराई जाए और दोष सिद्ध होने पर विधि के अनुरूप सुधारात्मक एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। कोर्ट के निर्देशों के बाद ही अब यह प्रशासनिक कार्रवाई सामने आई है, जिसे पुलिस विभाग में सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

नई जिम्मेदारी राजेश साहू को

गुरविंदर सिंह संधु की जगह भिलाई भट्टी थाना प्रभारी राजेश कुमार साहू को स्मृतिनगर चौकी का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। पुलिस प्रशासन ने उम्मीद जताई है कि नई व्यवस्था से क्षेत्र में कानून–व्यवस्था और पारदर्शिता मजबूत होगी। इस कार्रवाई के बाद जिले के पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है। इसे न्यायालय के आदेशों के पालन और पुलिस कार्यप्रणाली में सुधार की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि यह मामला पुलिसकर्मियों के लिए चेतावनी है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है और अधिकारों का दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बजट 2026-27 : विकास , रोजगार और आत्मनिर्भरता का महा-एजेंडा

इन्फ्रा, MSME और ग्रामीण भारत पर बड़ा दांव — मिडिल क्लास को टैक्स राहत की उम्मीद

संदीप सिंह / नईदिल्ली

केंद्रीय बजट 2026-27 को मोदी सरकार के 'विकसित भारत 2047' विजन का आर्थिक रोडमैप माना जा रहा है। 1 फरवरी को पेश होने वाला यह बजट मुख्य रूप से ढांचागत विकास, रोजगार सृजन, टरटए को मजबूती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विस्तार पर केंद्रित रहने की संभावना है। सरकार का लक्ष्य आर्थिक विकास की रफ्तार बनाए रखते हुए महंगाई और राजकोषीय घाटे के बीच संतुलन कायम करना है।

मिडिल क्लास के लिए बड़ी राहत की तैयारी

इस बार बजट से मध्यम वर्ग को ऐतिहासिक राहत मिलने की उम्मीद है। संभावित फैसले—नए टैक्स रिजीम में स्टैंडर्ड डिडक्शन 1 लाख तक बढ़ाने की संभावना, होम लोन और बीमा पर अतिरिक्त छूट, महिलाओं के लिए विशेष टैक्स इंसेंटिव, विशेषज्ञों के अनुसार, इससे करोड़ों परिवारों की डिस्पोजेबल आय में सीधा इजाफा होगा।

युवा शक्ति और रोजगार पर फोकस

बजट 2026 में 'जनरेशन' को केंद्र में रखा जा सकता है। स्किल डेवलपमेंट मिशन का विस्तार, पहली बार निवेश करने वालों को प्रोत्साहन, स्टार्टअप्स के लिए नई फंडिंग स्कीम, इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम सरकार का लक्ष्य युवाओं को नौकरी देने के साथ-साथ उद्यमी बनाना है।

टरटए और मैन्युफैक्चरिंग को नई ताकत

देश की रीढ़ माने जाने वाले टरटए सेक्टर के लिए राहत पैकेज संभावित है। कस्टम ड्यूटी में कटौती, आसान लोन व्यवस्था, क्रेडिट गारंटी विस्तार, लोकल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा, इससे 'मेक इन इंडिया, को नई ऊर्जा मिलेगी।

डिजिटल इंडिया और अकपर बड़ा निवेश

बजट 2026 में डिजिटल क्रांति को नई ऊंचाई देने की तैयारी है। अक इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन, कंटेंट क्रिएटर्स के लिए टैक्स राहत, स्टार्टअप टेक्नोलॉजी फंड, साइबर सुरक्षा निवेश, भारत को ग्लोबल टेक हब बनाने का रोडमैप तैयार किया जा सकता है।

डिफेंस और रिन्यूएबल एनर्जी पर जोर

आत्मनिर्भर भारत के तहत रक्षा और हरित ऊर्जा को प्राथमिकता मिलेगी।स्वदेशी हथियार निर्माण, रक्षा निर्यात बढ़ावा, सोलर और विंड एनर्जी मिशन, ग्रीन हाइड्रोजन प्रोजेक्ट, कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार और सामाजिक सुरक्षा पर भी बजट का खास ध्यान रहेगा।

सीनियर सिटीजन्स के लिए रेलवे रियायत

स्वास्थ्य बीमा विस्तार, किफायती आवास योजना, महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं, विकसित भारत 2047 का आर्थिक रोडमैप यह बजट आर्थिक विकास और वित्तीय अनुशासन के बीच संतुलन साधने का प्रयास करेगा। सरकार का लक्ष्य–राजकोषीय घाटा नियंत्रित रखना, निवेश बढ़ाना, निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन, रोजगार सृजन को प्राथमिकता है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर बनेगा विकास का इंजन

देश की विकास रफ्तार को तेज करने के लिए पूंजीगत व्यय में बढ़ोतरी तय मानी जा रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग और एक्सप्रेसवे, रेलवे में 'कवच 4 .0' सुरक्षा प्रणाली, मेट्रो और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, ग्रामीण सड़क नेटवर्क इन्फ्रा सेक्टर में निवेश से लाखों नए रोजगार पैदा होने की संभावना है।

ग्रामीण भारत और किसानों को मजबूती

बजट में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष जोर रहेगा। नई बीज तकनीक, कृषि–क्रेडिट में वृद्धि, फटिर्लाइजर सब्सिडी बढ़ोतरी, सिंचाई परियोजनाओं को गति, लक्ष्य है— किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में ठोस कदम।

तैयार होगा भारत के भविष्य का ब्लू प्रिंट

बजट 2026-27 सिर्फ सालाना लेखा–जोखा नहीं, बल्कि भारत के भविष्य का ब्लूप्रिंट है। अगर इन्फ्रा, रोजगार, टरटए, ग्रामीण विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था पर संतुलित फैसले होते हैं, तो यह बजट देश को 'विकसित भारत' की दिशा में निर्णायक मोड़ दे सकता है।

भू-माफियाओं के आगे बेबस भिलाई निगम, पार्षद धरने पर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग जिले में अवैध प्लॉटिंग और शासकीय जमीन पर कब्जे का धंधा खुलेआम फल-फूल रहा है, लेकिन नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं। अफसरों की इसी लापरवाही और उदासीन रवैये से आहत होकर अब जनप्रतिनिधियों को सड़क पर उतरना पड़ रहा है। गुरुवार को वार्ड क्रमांक 13 कोहका की पार्षद अंजू सिन्हा भिलाई नगर निगम मुख्यालय पहुंचीं और आयुक्त कार्यालय के बाहर घंटों धरने पर बैठकर प्रशासन की कायर्शैली के खिलाफ विरोध दर्ज कराया।

शिकायतों का अंबार, कार्रवाई शून्य

अफसरों की चुप्पी ने बढ़ाए भू-माफियाओं के हौसले

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि निगम अधिकारियों की चुप्पी और ढिलाई ने भू–माफियाओं के हौसले बुलंद कर दिए हैं। कार्रवाई के अभाव में कब्जाधारियों को खुली छूट मिल गई है। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते सख्त दिखाई जाती, तो आज हालात इतने बिगड़ते नहीं।

पार्षद अंजू सिन्हा ने बताया कि कोहका वार्ड-13 क्षेत्र में लंबे समय से शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा और प्लॉटिंग हो रही है। भू-माफिया मिट्टी डालकर जमीन समतल कर रहे हैं और फिर अवैध निर्माण खड़ा कर दिया जा रहा है। इस संबंध में कई बार निगम अधिकारियों को लिखित और मौखिक शिकायतें दी गईं, निरीक्षण भी हुआ, लेकिन हर बार मामला फाइलों में दबकर रह गया।

जनता पूछ रही सवाल

अब क्षेत्रवासियों में यह सवाल गूंज रहा है
क्या निगम अधिकारी भू–माफियाओं को संरक्षण दे रहे हैं?
शिकायतों के बाद भी कार्रवाई क्यों नहीं हुई?
जिम्मेदार अफसरों पर कब गिरेगी गाज?

धरना बना मजबूरी

अधिकारियों की अनदेखी से परेशान होकर पार्षद अंजू सिन्हा को मजबूरन निगम मुख्यालय में धरने पर बैठना पड़ा। दोपहर से देर शाम तक वे आयुक्त कार्यालय के बाहर डटी रहीं, लेकिन अफसरों की ओर से कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला। धरने के बाद ही वरिष्ठ अधिकारियों की नींद टूटी और औपचारिक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू हुई।

भरोसे की परीक्षा में निगम फेल

जब जनप्रतिनिधियों को ही न्याय के लिए धरना देना पड़े, तो आम जनता की स्थिति समझी जा सकती है। निगम प्रशासन का यह रवैया न केवल सरकारी जमीन को खतरे में डाल रहा है, बल्कि जनता के भरोसे को भी तोड़ रहा है। अब देखना होगा कि प्रशासन सिर्फ कागजी कार्रवाई करेगा या वास्तव में दोषी अधिकारियों और भू–माफियाओं पर सख्त कदम उठाएगा।

भवन अनुज्ञा शाखा भी सवालों के घेरे में

अवैध निर्माण रोकने के लिए बनाए गए भवन अनुज्ञा विभाग की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। निगम मुख्यालय और जोन कार्यालय में मौजूद इस विभाग के बावजूद अवैध निर्माण बेरोकटोक जारी है। जानकारों का कहना है कि भवन अनुज्ञा सेक्शन की निष्क्रियता या मिलीभगत के बिना इतना बड़ा अवैध खेल संभव नहीं है।

देर से जागा प्रशासन

पार्षद के दबाव और सार्वजनिक आक्रोश के बाद निगम आयुक्त राजीव पाण्डेय ने जोन आयुक्त अजय राजपूत को शिकायत दर्ज कराने के निर्देश दिए। इसके बाद स्मृतिनगर चौकी में अज्ञात भू–माफियाओं के खिलाफ आवेदन दिया गया। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक एफआईआर दर्ज नहीं हो सकी थी।

राज्यपाल रमेन डेका ने किया राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को याद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने आज यहां लोकभवन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल ने कहा है कि महात्मा गांधी ने मातृभूमि की सेवा के लिए सर्वस्व अर्पित कर दिया। उनके आदर्श एवं विचार देश सहित पूरी दुनिया के लिए आज भी प्रासंगिक हैं। लोकभवन के अधिकारियों-कमर्चारियों ने भी गांधी जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री साय ने किया कुम्भकार समाज के दो दिवसीय महाअधिवेशन का भव्य शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने सर्व सुविधायुक्त सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 30 लाख रुपये की घोषणा की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ कुम्भकार समाज के दो दिवसीय राज्य स्तरीय महाअधिवेशन का शुभारंभ आज नवागांव, अभनपुर में भव्य रूप से हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर कुम्भकार समाज की परंपरागत कला, संस्कृति और सामाजिक एकता का जीवंत प्रदर्शन देखने को मिला। श्री साय ने समाज के विकास हेतु सर्व सुविधायुक्त भवन निर्माण के लिए 30 लाख रुपये देने की घोषणा भी की।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय को प्रतीक चिन्ह के रूप में कुम्हार समाज की कला एवं संस्कृति को दर्शाता हुआ चाक गढ़ता कुम्हार भेंट किया गया, जो कुम्भकारी कला की पहचान और श्रम-साधना का प्रतीक है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ कुम्भकार समाज के महाअधिवेशन, युवक-युवती परिचय सम्मेलन और प्रतिभा सम्मान समारोह के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन की शुरुआत महाराष्ट्र के दिवंगत उप राष्ट्रपति स्वर्गीय अजित पवार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की और ईश्वर से उनके परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने परिचय सम्मेलन में शामिल युवक-युवतियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सम्मेलन समाज के बेटा-बेटियों को योग्य जीवन-साथी चुनने का सशक्त मंच प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने समाजजनों से अपील की कि वे अपने समाज के प्रत्येक बेटा-बेटी को शिक्षा से जोड़ें। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं है, बल्कि एक सफल, संस्कारित और जिम्मेदार मानव जीवन जीने के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ इस वर्ष अपने स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर रहा है और इन 25 वर्षों में प्रदेश ने सड़क, बिजली, पानी, खाद्यान्न, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से गांव-गांव को डामर सड़कों से जोड़ा गया है। प्रदेश में महाविद्यालयों की संख्या में वृद्धि हुई है तथा मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों की उपलब्धता भी अब व्यापक स्तर पर हो गई है, जिससे युवाओं को अपने ही राज्य में उच्च शिक्षा के अवसर मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वतर्मान सरकार ने मात्र दो वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अधिकांश वादों को पूरा कर दिया है।उन्होंने बताया कि प्रदेश में धान खरीदी का कार्य पूरी पारदशिर्ता के साथ तेजी से किया जा रहा है और किसानों को बोनस राशि चार किश्तों में नहीं, बल्कि एकमुश्त उनके खातों में अंतरित की जा रही है। महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए महतारी वंदन योजना से माताओं-बहनों को सीधा आर्थिक लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत अब तक 40 हजार से अधिक रामभक्त अयोध्या जाकर दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि बीते दो वर्षों में सुरक्षाबलों ने साहस और दृढ़ता के साथ नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। अब नक्सलवाद अंतिम चरण में है और 31 मार्च 2026 तक देश से इसके पूर्ण उन्मूलन का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि बस्तर में अब विकास की नई यात्रा शुरू हो चुकी है और सुरक्षा कैंपों की स्थापना से क्षेत्र में शांति और विश्वास का माहौल बना है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नई उद्योग नीति की सराहना करते हुए कहा कि इस नीति को देश-विदेश में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश को लगभग 8 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और नया रायपुर में कई उद्योगों की शुरुआत भी हो चुकी है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता सर्वांगीण विकास, सामाजिक समरसता और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ का निर्माण है, जिसमें समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

महाअधिवेशन के अंतर्गत आयोजित युवक-युवती परिचय सम्मेलन में समाज के लगभग 300 युवक-युवतियों का पंजीयन किया गया। इसके साथ ही समाज की आंतरिक गतिविधियों से संबंधित बैठकों का आयोजन भी किया गया, जिनमें सामाजिक संगठन, शिक्षा, रोजगार, कला संरक्षण और भविष्य की योजनाओं पर विमर्श हुआ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय को समाज के युवा, कुमारी अंकिता प्रजापति एवं दुर्गेश चक्रधारी ने, उनकी पेंटिंग भेंट की।

सड़क सुरक्षा पर एक दिवसीय कायर्शाला आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा को लेकर एक दिवसीय कायर्शाला का आयोजन किया गया। कायर्शाला में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने आ धु निक तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर विस्तार से चर्चा की गई। कायर्शाला में सड़क सुरक्षा, ब्लैक स्पॉट सुधार, साइनेज की भूमिका, सोलर आरपीएम, सोलर स्टड, मिडियन मार्कर सहित अन्य सुरक्षा उपायों की भी जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि तकनीक आधारित उपायों को सही ढंग से लागू कर सड़क दुर्घटनाओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

जानकारी

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह : सड़क सुरक्षा, ब्लैक स्पॉट सुधार, साइनेज, सोलर आरपीएम, सोलर स्टड, मिडियन मार्कर एवं सुरक्षा उपायों की दी जानकारी

कायर्शाला को संबोधित करते हुए एनएचएआई क्षेत्रीय कार्यालय के क्षेत्रीय अधिकारी प्रदीप कुमार लाल ने कहा कि सड़क सुरक्षा एनएचएआई की प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके लिए लगातार नवाचार व तकनीकी समाधान अपनाए जा रहे हैं।

इस मौके पर थ्रीएम (3ट) कंपनी की ओर से अमित रावड़े, डॉ. हरश्रृंगार पटेल, अंकित कुमार और दिनेश देशमुख ने सुरक्षा उपकरणों की उपयोगिता के बारे में बताया। कायर्शाला में परियोजना कार्यान्वयन इकाई कोरबा के परियोजना निदेशक डीडी पार्लावर, बिलासपुर से मुकेश कुमार, अभनपुर से शमशेर सिंह और रायपुर से दिग्विजय सिंह सहित टोल मैनेजर्स, इंजीनियर्स, प्रबंधक, अधिकारी एवं कमर्चारी मौजूद थे।

राजिम कुंभ कल्प : मंत्री राजेश अग्रवाल ने मुख्यमंत्री साय को किया आमंत्रित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से शिष्टाचार भेंट कर राजिम कुंभ कल्प 2026 के लिए उन्हें आमंत्रित किया। यह भेंट मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित हुई, जहां मंत्री ने इस भव्य धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन की तैयारियों और महत्व पर विस्तार से चर्चा की।

राजिम कुंभ कल्प छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर का प्रमुख प्रतीक है। यह कुंभ मेला परंपरा से प्रेरित विशाल स्नान पर्व है, जिसमें लाखों भक्तगण भाग लेते हैं। वर्ष 2026 का यह कल्प विशेष रूप से महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि यह राज्य की पर्यटन क्षमता को राष्ट्रीय स्तर पर उजागर करने का अवसर प्रदान करेगा। मंत्री अग्रवाल ने बताया कि आयोजन के दौरान पारंपरिक स्नान, धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और लोक उत्सव आयोजित किए जाएंगे, जो पर्यटकों को आकर्षित करेंगे।इस शिष्टाचार भेंट के दौरान आयुक्त रायपुर महादेव कावरे एवं कलेक्टर गरियाबंद बी.एस. उईके भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस आमंत्रण को स्वीकार करते हुए आयोजन की सफलता के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राजिम कुंभ कल्प न केवल धार्मिक महत्व का है, बल्कि राज्य की सांस्कृतिक एकता और आर्थिक उन्नति को बढ़ावा देने वाला महापर्व सिद्ध होगा।राज्य सरकार द्वारा इस कुंभ के लिए विशेष तैयारियां तेजी से की जा रही हैं, जिसमें स्वच्छता अभियान, यातायात व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं और डिजिटल प्रचार शामिल हैं। गरियाबंद जिला प्रशासन ने पहले ही स्थानीय स्तर पर समितियां गठित कर ली हैं। यह आयोजन छत्तीसढ़ के पर्यटन को राष्ट्रीय पटल पर लाने में मील का पत्थर साबित होगा।

निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों का रोल ऑब्जर्वर अभिनव गुप्ता ने किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के लिए नियुक्त रोल ऑब्जर्वर अभिनव गुप्ता, अतिरिक्त महानिदेशक, विदेश व्यापार महानिदेशालय, नई दिल्ली ने 27 जनवरी को बेमेतरा एवं कबीरधाम जिलों का दौरा कर विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) से संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान श्री गुप्ता ने बेमेतरा जिले के तहसील कार्यालय में तार्किक त्रुटियों (लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी) वाले प्रकरणों की क्लस्टर स्तर पर सुनवाई, दस्तावेज परीक्षण तथा फॉर्म-6 एवं फॉर्म-7 के ऑनलाइन निराकरण की प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 68-साजा के मतदान केंद्र क्रमांक 01, ग्राम अगरी में आयोजित सुनवाई का निरीक्षण कर आयोग के निर्देशों के अनुरूप कार्य संपादित करने के निर्देश दिए। श्री गुप्ता ने बेमेतरा नगरपालिका क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की बैठक लेकर उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा बीएलओ एप के माध्यम से संचालित गतिविधियों की जानकारी ली।

इसी क्रम में रोल ऑब्जर्वर श्री गुप्ता द्वारा कबीरधाम जिले में भी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों का निरीक्षण किया गया। जिले के ग्राम पंचायत छिरहा में आयोजित शिविर में सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विकास जैन द्वारा की जा रही सुनवाई प्रक्रिया का अवलोकन किया । उन्होंने शिविर में उपस्थित विभिन्न मतदान केन्द्रों के बीएलओ एवं मतदाताओं से चर्चा कर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

उन्होंने तहसील कार्यालय कवर्धा में नो मैपिंग एवं तार्किक त्रुटियों से संबंधित मतदाताओं की सुनवाई के दौरान प्रस्तुत दस्तावेजों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मनोज केसरिया एवं जयशंकर उरांव, उप जिला निर्वाचन अधिकारी बेमेतरा डॉ. दीप्ति वर्मा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी कवर्धा, संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सुपरवाइजर एवं बूथ लेवल अधिकारी उपस्थित रहे।

समर्थ पंचायत पोर्टल से ऑनलाइन करारोपण की देशव्यापी शुरुआत

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

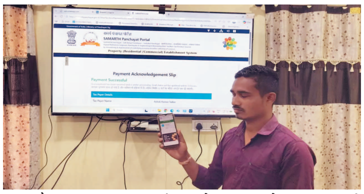

जिले ने एक बार फिर डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है। आज पूरे देश में पहली बार समर्थ पंचायत पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन करारोपण की शुरुआत जिले के नगरी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सांकरा में की गई। इस ऐतिहासिक पहल के तहत ऑनलाइन पेमेंट गेटवे के माध्यम से UPI द्वारा संपत्ति कर का भुगतान सफलतापूर्वक किया गया। यह उपलब्धि न केवल ग्राम पंचायतों में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है बल्कि यह पारदशिर्ता, सुविधा और समयबद्ध कर संग्रह की नई राह भी प्रशस्त करती है।

कार्यक्रम के दौरान पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार के सचिव विवेक भारद्वाज ने इस नवाचार की सराहना करते हुए कहा कि अब मुंबई छत्तीसगढ़ से सीखेगा। उनका यह वक्तव्य राज्य द्वारा अपनाए गए तकनीकी नवाचारों और डिजिटल समाधानों की राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकायर्ता को दर्शाता है।

कार्यक्रम में बताया गया कि समर्थ पंचायत पोर्टल के माध्यम से करारोपण एवं कर भुगतान की यह प्रणाली ग्राम पंचायत स्तर पर प्रशासनिक कार्यों को सरल, तेज और पारदर्शी बनाएगी। नागरिक अब घर बैठे UPI जैसे डिजिटल माध्यमों से संपत्ति कर का भुगतान कर सकेंगे जिससे पंचायतों को राजस्व संग्रह में सहूलियत होगी और बकाया कर की समस्या भी कम होगी। प्रमुख सचिव निहारिका बारीक ने कहा कि यह पहल 'डिजिटल इंडिया' और 'आत्मनिर्भर पंचायत' की दिशा में एक मजबूत कदम है। वहीं कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने इसे जिले के लिए गर्व का विषय बताते हुए कहा कि धमतरी ने तकनीक के माध्यम से सुशासन का उदाहरण प्रस्तुत किया है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों ने ग्राम पंचायत सांकरा की टीम को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि यह मॉडल जल्द ही प्रदेश की सभी पंचायतों में लागू किया जाएगा। इस पहल से छत्तीसगढ़ ने यह स्पष्ट कर दिया है कि डिजिटल नवाचारों के मामले में राज्य देश का नेतृत्व करने में सक्षम है।

तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3 .0 के तहत जागरूकता और की कार्रवाई, 1600 रुपये जुर्माना वसूला गया

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 के अंतर्गत युवाओं को तम्बाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने एवं कानून का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने हेतु जिला प्रशासन कोरबा द्वारा सतत कार्रवाई की जा रही है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एन. केशरी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत संयुक्त कार्रवाई की गई। नोडल अधिकारी डॉ. कुमार पुष्पेष के नेतृत्व में परिवर्तन दल, जिला सलाहकार डॉ. मानसी जायसवाल, ड्रग निरीक्षक (खाद्य एवं औषधि विभाग) वीरेंद्र भगत एवं सामाजिक कार्यकर्ता संतोष केवट की संयुक्त टीम द्वारा एनटीपीसी गेट, जामगांव एवं स्याहीमुड़ी क्षेत्र में शिक्षण संस्थानों के 100 गज के दायरे में स्थित दुकानों एवं सार्वजनिक स्थलों का निरीक्षण किया गया।

कार्रवाई के दौरान कोटपा अधिनियम 2003 की धारा 4 के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान के 11 प्रकरणों में चालान काटते हुए 1600 रुपये का जुर्माना वसूला गया। दो स्थानों पर समझाइश देकर छोड़ा गया। साथ ही धारा 5 एवं 6 के अंतर्गत तम्बाकू उत्पादों के विज्ञापन, नाबालिगों एवं शैक्षणिक संस्थानों के आसपास बिक्री पर प्रतिबंध संबंधी जानकारी दी गई। सभी दुकानों में धारा 6(ए) के पोस्टर चस्पा किए गए।

मांग बिलासपुर बायपास, मुंबई-नागपुर समृद्धि मार्ग का विस्तार रायपुर तक करने व भारतमाला परियोजना अंतर्गत रायपुर-बिलासपुर 6-लेन मार्ग स्वीकृत करने अनुरोध

छत्तीसगढ़ ही नहीं देश की पुरातत्विक धरोहर है सिरपुर महोत्सव

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान में पर्व, मड़ई और मेलों की परंपरा सदियों से रची-बसी है। इन्हीं परंपराओं में सिरपुर महोत्सव का विशेष स्थान है, जो प्रतिवर्ष पवित्र महानदी के तट पर माघ पूणिर्मा के पावन अवसर पर आयोजित किया जाता है। इस वर्ष तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव 1 फरवरी 3 फरवरी तक भव्य रूप में आयोजित किया जा रहा है। माघी पूणिर्मा की भोर में आस-पास के ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं द्वारा महानदी में पुण्य स्नान कर गंधेश्वर नाथ महादेव के अलौकिक दर्शन-पूजन के साथ महोत्सव की शुरुआत होती है।

वहीं तीन दिनों तक महानदी सांध्य आरती किया जाता है। यह परंपरा सिरपुर की आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करती है। हर वर्ष आयोजित होने वाला सिरपुर महोत्सव छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। इसमें देश-विदेश के कलाकार शास्त्रीय नृत्य, संगीत और नाट्य प्रस्तुतियाँ देते हैं। सिरपुर महोत्सव में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा आवागमन की विशेष व्यवस्था की जा रही है। महोत्सव अवधि के दौरान रायपुर से कुहरी मोड़ तक तथा जिले के सभी विकासखंड मुख्यालयों से सिरपुर तक बसों का प्रबंध किया गया है। निर्धारित रूटों पर बसें नियमित अंतराल में संचालित होंगी, जिससे अधिक से अधिक लोग महोत्सव के सांस्कृतिक, धार्मिक एवं पर्यटन गतिविधियों में सहभागी बन सकें।

सिरपुर को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय हेरिटेज स्थल के रूप में विकसित करने हेतु शासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने सिरपुर को विश्व पर्यटन मानचित्र पर लाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। विजन 2047 के तहत आधुनिक बुनियादी ढांचा, सड़क, प्रकाश व्यवस्था और अंतर्राष्ट्रीय स्तर का पर्यटक कॉरिडोर विकसित करने प्रतिबद्ध है। सिरपुर की पुरातात्त्विक संरचनाओं को संरक्षित रखने के लिए अत्याधुनिक तकनीकें अपनाई जा रही हैं। यहाँ के मंदिर, विहार, मूतियाँ और जीवंत परंपराएँ हमें यह सिखाती हैं कि भारत की संस्कृति, सहिष्णुता, कला और ज्ञान का संगम है। यहाँ ईको-ट्रेल, हस्तशिल्प बिक्री केंद्र और स्थानीय भोजनालय चलाई जा रही हैं, ताकि स्थानीय समुदाय को रोजगार मिले और पर्यटन को बढ़ावा मिले।

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में स्थित सिरपुर (श्रीपुर) केवल एक पुरातात्त्विक स्थल ही नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों का जीवंत प्रतीक है। यह नगर दक्षिण कोसल के पांडुवश के सबसे महान सम्राट महाशिवगुप्त बालार्जुन की राजधानी रहा है और अपनी स्थापत्य कला, बौद्ध धरोहरों तथा प्राचीन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। सिरपुर का उल्लेख प्राचीन भारतीय ग्रंथों और अभिलेखों में मिलता है। यहाँ भगवान शिव, विष्णु, बुद्ध और जैन धर्म के उपासना स्थलों के अवशेष मिले हैं।

7वीं शताब्दी में चीनी यात्री ह्वेनसांग ने भी सिरपुर का उल्लेख अपनी यात्राओं में किया है, जिससे इसकी अंतरराष्ट्रीय ख्याति सिद्ध होती है। यह नगर धार्मिक सहिष्णुता और कला का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। यहाँ 22 शिव मंदिर, 5 विष्णु मंदिर, 3 जैन विहार और एक विशाल बौद्ध विहार के अवशेष प्राप्त हुए हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा सिरपुर में लगातार संरक्षण और मरम्मत का कार्य किया जा रहा है जिससे इसकी ऐतिहासिक गरिमा बनी रहे। डिजिटल टूर, क्यूआर कोड आधारित जानकारी और थ्रीडी गाइडेंस सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीकों का भी उपयोग किया जाएगा।

सिरपुर बौद्ध, जैन और हिन्दू स्थापत्य कला का त्रिवेणी संगम है। यहां स्थित लक्ष्मण मंदिर भारत का पहला ईंटों से निर्मित मंदिर है जो वास्तुकला का अनुपम उदाहरण है। आनंद प्रभु कुटीर विहार बौद्ध भिक्षुओं का प्रमुख केंद्र है, जहां चीन से आए भिक्षु रह चुके हैं। गंधेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित मंदिर है, जिसमें अनेक मूतियाँ और सांस्कृतिक प्रतीक हैं।

1872 में अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा सिरपुर के अवशेषों की खोज की गई थी। इसके बाद यहाँ अनेक उत्खनन कार्य हुए, जिनमें बुद्ध, विष्णु, शिव और जैन परंपराओं के असंख्य साक्ष्य मिले। चीन, जापान और दक्षिण कोरिया के विद्वान भी सिरपुर को एशिया की बौद्ध धरोहरों में महत्वपूर्ण स्थान मानते हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना से पूरा हुआ पक्के घर का सपना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

हर किसी के लिए पक्का घर जीवन का एक बड़ा सपना होता है। सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत मंगारी निवासी जयमंगल बड़ा के लिए यह सपना प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से साकार हुआ है। वर्षों तक कच्चे मकान में रहने के बाद अब उनका परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहा है।

जयमंगल बड़ा के परिवार के आजीविका का साधन कृषि है। उनका पूर्व आवास मिट्टी एवं खपरैल से निर्मित था, जिसमें बरसात के दिनों में पानी टपकना आम बात थी। हर वर्ष मकान की मरम्मत में समय और धन खर्च होता था, जिससे परिवार को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवास स्वीकृत होने से उनकी वर्षों की चिंता दूर हुई। शासन से प्राप्त वित्तीय सहायता एवं स्वयं की बचत से उन्होंने दो कमरों का मजबूत पक्का मकान निर्मित कराया। अब उनका परिवार सुरक्षित वातावरण में निवास कर रहा है और जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आया है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। उल्लेखनीय है कि सरगुजा जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 1,02,208 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 79,286 पूर्ण हो चुके हैं। शेष आवासों के शीघ्र निर्माण हेतु जिला प्रशासन द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

कुरूद में निगम लगाएंगा सीबीजी प्लांट, विरोध में बैठी महिलाएं, कचरे से गैस बनाने की है योजना

बायो गैस प्लांट को लेकर महिलाओं में आक्रोश, कहां नहीं लगने देंगे प्लांट चाहे हमें अपनी जान ही क्यू ना देनी पड़े

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शहर से रोज करीब 300 टन से ज्यादा कचरा निकलता है। नगर निगम भिलाई इन कचरे को परमानेंट निपटान के लिए सीबीजी प्लांट लगाने की योजना बनाई है। जहां शहर भर के कचरे से बायो गैस बनाया जाएगा।

शासन की योजना के तहत निगम ने कुरूद बस्ती क्षेत्र में प्लांट लगाने की योजना बनाई है। काम भी शुरू कर दिए है। निगम ने प्लांट लगाने चूना मार्किंग और पोल लगाना शुरू कर दिया है। लेकिन इस प्लांट को लेकर कुरूद और आसपास क्षेत्र के सुंदर विहार कालोनी, घासी दास नगर, कैलाश नगर की महिलाएं एकजुट होकर हड़ताल पर बैठ गई है। अनिश्चित कालीन हड़ताल पर बैठी महिलाएं जमकर धरना प्रदर्शन कर रही है।

महिलाओं ने कहा कि वे अपने क्षेत्र में सीबीजी बायो गैस प्लांट किसी भी हाल में खुलने ही नहीं देंगे। चाहे उन्हें अपनी जान ही क्यों ना देनी पड़े। सैकड़ों की संख्या में विरोध प्रदर्शन कर रही महिलाओं के साथ कुरूद पार्षद अनिता साहू भी हड़ताल पर है। उन्होंने बताया कि 6 माह से वे वार्ड की महिलाओं के साथ जोन आयुक्त से लेकर निगम आयुक्त, कलेक्टर तक से शिकायत कर चुकी है। बावजूद कोई पहल नहीं हुई तो उन्होंने सामान्य सभा में मुद्दा उठाया था और खुलकर विरोध कर प्लांट नहीं लगाने की मांग की थी।

सामान्य सभा में सभापति से लेकर महापौर व सभी पार्षद व अधिकारियों को प्लांट नहीं लगाने की मांग की। बावजूद जब कोई पहल नहीं हुई तो उन्होंने वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन से भी मांग किए। उन्होंने आश्वासन दिया था कि प्लांट नहीं खुलने देंगे। यदि धरना प्रदर्शन करने की नौबत आएगी तो वे भी उनके साथ बैठेंगे। लेकिन अबतक विधायक नहीं आए है। महिलाओं ने कहा कि उन्हे विधायक से पूरी उम्मीद है, यदि वे चाह लेगे तो प्लांट नहीं खुलेगा। इस अवसर पर रानी सिंह, लीली, दुलारी देवांगन, उमिर्ला यादव, पुष्पा जायसवाल, आशा, सरोजनी सहित सैकड़ों महिलाए शामिल रही।

प्रदूषण और बीमारी का खतरा

वाडर्वासियों का कहना है कि प्लांट लगेगा तो पूरे शहर का कचरा उनके वार्ड में जमा होगा। चारो ओर प्रदूषण और गंदगी की बदबू फैलेगी। गंभीर बीमारी का खतरा बना रहेगा। इसलिए वे प्लांट का विरोध कर रहे है। सिर्फ यही नहीं कुरूद में कृष्णा कुंज बना है। जहां हरे भरे पेड़ पौधे लगे है। उसे भी काटने की तैयारी चल रही है।

जिले भर के निकायों से लेंगे कचरा

नगर निगम भिलाई, दुर्ग, रिसाली और भिलाई-चरोदा से हर रोज करीब 150 मीट्रिक टन कचरा निकलता है। सिर्फ भिलाई से रोज 200 टन कचरा निकलता है। इसमें 40 प्रतिशत गीला कचरा होता है। प्लांट को रोज 150 से 200 टन गीला कचरा लगेगा। इसकेलिए जिले भर के निकायों से निकले वाले कचरे को प्लांट को दिया जाएगा। जिससे प्लांट में गैस बनाया जाएगा। इससे कचरा प्रोसेसिंग कर खाद बनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

खास खबर

भिलाई नगर, पाटन और अहिवारा विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए राशि स्वीकृत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत भिलाई नगर, पाटन और अहिवारा विधानसभा क्षेत्रों में विभिन्न जनहित कार्यों के लिए कुल 34 लाख 38 हजार 94 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है।

जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा द्वारा अनुशंसित इन कार्यों के तहत भिलाई नगर विधानसभा में वार्ड 63 होसन्ना चौक के पास सार्वजनिक टीन शेड निर्माण एवं कांक्रीटीकरण हेतु 4 लाख 99 हजार 698 रूपए, बुद्ध विहार के पास सार्वजनिक शौचालय निर्माण हेतु 2 लाख 49 हजार 517 रूपए, सेक्टर 06 की सड़क 60-61 के मध्य सार्वजनिक डोम शेड निर्माण हेतु 5 लाख 99 हजार 684 रूपए तथा सेक्टर 07 सड़क 35 के डोम शेड में फेंसिंग कार्य हेतु 1 लाख 49 हजार 739 रूपए स्वीकृत किए गए हैं, जिनकी क्रियान्वयन एजेंसी आयुक्त नगर निगम भिलाई हैं। इसी प्रकार पाटन विधानसभा के अंतर्गत नगर पालिका परिषद कुम्हारी के वार्ड 16 लोटस सिटी में शेड निर्माण हेतु 4 लाख 99 हजार 456 रूपए की स्वीकृति दी गई है, वहीं अहिवारा विधानसभा के ग्राम पंचायत हवेलीडीह में सी.सी. रोड निर्माण हेतु 2.40 लाख और ग्राम कुटेलाभाठा में सरस्वती शिशु मंदिर के पास सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 12 लाख रूपए स्वीकृत किए गए हैं। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार, सभी कार्यों के संपादन हेतु संबंधित क्रियान्वयन एजेंसियों द्वारा किया जाएगा।

डॉ. श्रेणिक नाहटा "भारत सेवा रत्न सम्मान" से हुए सम्मानित

दुर्ग। देशभर में सामाजिक सेवा, राष्ट्र हित और मानव कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तियों को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में गणतंत्र दिवस पर समारोहपूर्वक सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन वाई-एस-एस इंडिया द्वारा किया जाता है। यह संस्था अखिल भारतीय स्तर पर निःस्वार्थ सेवाभावीयो को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित करती है।

गणतंत्र दिवस पर जस्टिस एन-के-जैन, आई पी एस अनिल जैन, ग्रुप कैप्टन आर-बी. त्रिपाठी, कैप्टन सुखराम यादव, आईपीएस हरेन्द्र सिंह, ले. कर्नल शीतलकृष्ण गायकवाड, आर्मी आफिसर मुकेशकुमार, सी. के. सक्सेना, बलवीर सिंह, वरिष्ठ पत्रकार डा. अखिल बंसल, संस्थान अध्यक्ष कमल चौधरी के आतिथ्य में दुर्ग के दंत चिकित्सक डॉ. श्रेणिक नाहटा को अखिल भारतीय स्तर पर विभिन्न निःस्वार्थ सेवा के लिए "भारतरत्न सेवा सम्मान" से अलंकृत किया गया। उल्लेखनीय है कि डॉ. श्रेणिक समाज के निर्धन जरुरत मंद लोगों की निःशुल्क उपचार करने के साथ साथ भारत के अनेको धमर्गुरुओं की सेवा में निरंतर समर्पित रहते हैं। इनको अनेकों संस्थाओ द्वारा पुरस्कृत किया गया है, जालंधर पद्धति से बिना निश्चेतना किए अल्प समय में दांत निकालने और उपचार करने में महारत हासिल है, मात्र 30सेकंड में दांत निकालने का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। सम्मान प्राप्त होने पर दुर्ग के विभिन्न संस्थाओं, प्रतिष्ठित नागरिकों द्वारा बधाई देते हुए प्रसन्नता व्यक्त किया गया।

'गौवंश से ही होगा पंच परिवर्तन' जैसे अहम विषय पर डाला प्रकाश, बताई गौमाता की उपयोगिता और महत्ता

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ की शिक्षाधानी भिलाई स्थित सेक्टर-7 के कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गौ विज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति रायपुर के द्वारा गौ विज्ञान परीक्षा 2025 का आयोजन किया गया। समिति के द्वारा प्रदेश भर में तीन श्रेणियों में परीक्षाएं आयोजित की गई। इसमें श्रेणी ए में मीडिल स्कूल, श्रेणी बी में हाई स्कूल लेवल और श्रेणी सी में महाविद्यालयीन स्तर पर आयोजन किया गया। सी श्रेणी के अंतर्गत कल्याण महाविद्यालय में परीक्षा आयोजित की गई।

इसमें अध्ययन के लिए गौ विज्ञान ग्रन्थ प्रदान किया गया। साथ ही प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागियों को आकर्षक पंचगव्य उत्पाद के कीट से पुरस्कृत किया गया। परीक्षा में 34 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता आरंभ होने से पहले गौमंत्र का उच्चारण किया गया। इस प्रतियोगिता में गोपेन्द्र कुमार प्रथम स्थान पर रहे। द्वितीय स्थान पर गरिमा चुरेन्द्र रहीं। जबकि तृतीय स्थान पर भूमिका चुनी गई। प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया।

गौ विज्ञान परीक्षा की नोडल अधिकारी डॉ.मणि मेखला शुक्ला ने बताया कि यह प्रतियोगिता महाविद्यालयीन स्तर के बाद जिला और फिर राज्य स्तर पर आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर प्रथम विजेता प्रतिभागियों को 31 सौ रुपए, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 21 सौ रुपए और तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागी को 11 सौ रुपए प्रदान किया जाएगा। जबकि राज्य स्तर पर प्रथम विजेता को 51 हजार, द्वितीय विजेता को 31 हजार और तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागी को 11 हजार रुपए प्रदान किया जाएगा। डॉ.मणि मेखला शुक्ला ने बताया कि परीक्षा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.विनय शर्मा के निर्देशन में संपन्न कराई गई। परीक्षा के दौरान सहायक प्राध्यापक अंजू देवी और रविकांत वीक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका में तैनात रहे।

"जिला न्यायालय दुर्ग व तालुका न्यायालयों के ई-सेवा केंद्रों के सुचारू संचालन के लिए कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण

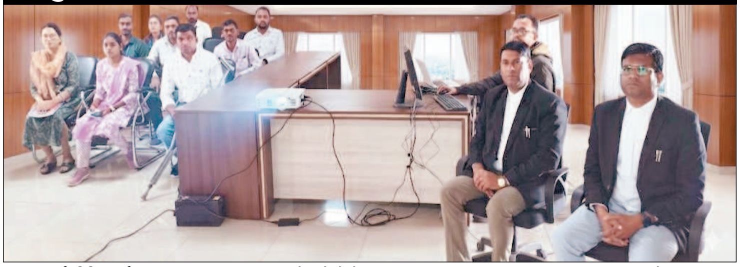

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर के दिशा-निर्देशन एवं माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग के मार्गदर्शन में जिला स्थापना, दुर्ग में संचालित ई-सेवा केंद्रों के सुचारू, प्रभावी एवं पारदर्शी संचालन के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उक्त क्रम में दिनांक 27 जनवरी 2026 को जिला न्यायालय दुर्ग तथा तालुका न्यायालय पाटन, भिलाई-3 एवं धमधा में संचालित ई-सेवा केंद्रों के बेहतर संचालन हेतु जिला स्थापना एवं तालुका न्यायालयों के नायब नाजिर एवं ई-सेवा केंद्रों में पदस्थ कमर्चारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम डिस्ट्रिक्ट कोर्ट कम्प्यूटरीकरण कमिटी के अध्यक्ष पंचम जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग की अध्यक्षता में तथा नोडल अधिकारी प्रथम अतिरिक्त, प्रथम सिविल न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, दुर्ग के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में सहायक प्रोग्रामर श्री तरुण कुमार चंद्राकर एवं तकनीकी सहायक श्री ऋषिकेश द्वारा ई-सेवा केंद्र से संबंधित तकनीकी एवं व्यवहारिक जानकारियाँ विस्तारपूर्वक प्रदान की गई।

प्रशिक्षण के दौरान ई-सेवा केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न डिजिटल सेवाओं, उनके प्रभावी उपयोग, कार्यप्रणाली एवं आमजन को अधिकतम लाभ पहुंचाने के तरीकों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना रहा कि न्यायालय में आने वाले पक्षकारों एवं अधिवक्ताओं को उनके प्रकरणों से संबंधित आवश्यक जानकारी जैसे संबंधित न्यायालय का नाम, आगामी सुनवाई की तिथि, आदेश की स्थिति, प्रकरण की वतर्मान स्थिति आदि डिजिटल माध्यम से त्वरित, सुलभ एवं पारदर्शी रूप से उपलब्ध कराई जा सके।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से ई-सेवा केंद्रों में कार्यरत कमर्चारियों की कार्यक्षमता एवं तकनीकी दक्षता में वृद्धि होगी, जिससे न्यायालयीन सेवाओं को अधिक जनोन्मुखी, समयबद्ध एवं प्रभावी बनाया जा सकेगा। जिला न्यायालय प्रशासन द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर न्यायिक सेवाओं के डिजिटलीकरण को और अधिक सुदृढ़ किए जाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

भिलाई बिरादरी 2 फरवरी को मिलजुलकर बोलेगी 'थैंक्यू भिलाई'

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शपथ फाउंडेशन द्वारा बहुप्रतीक्षित 'थैंक्यू भिलाई' आयोजन आगामी 2 फरवरी (सोमवार) को शाम 4 बजे से पायनियर मॉन्यूमेंट, सिविक सेंटर, भिलाई में आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन लगातार आठवें वर्ष किया जा रहा है।

शपथ फाउंडेशन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 2 फरवरी 1955 को भारत और तत्कालीन सोवियत संघ के बीच हुए ऐतिहासिक समझौते के परिणामस्वरूप भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना हुई, जिससे भिलाई शहर का अस्तित्व और उसकी विशिष्ट संस्कृति विकसित हुई। इस ऐतिहासिक दिवस की वषर्गांठ को अपने शहर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से हर वर्ष ह्यथैंक्यू भिलाईह्न का आयोजन किया जाता है।

आयोजन की शुरुआत इस वर्ष भी सद्भावना दौड़ से होगी, जिसमें हर आयु वर्ग के भिलाईवासियों की सहभागिता रहेगी। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 9 विशिष्ट व्यक्तियों को 'नवरत्न सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही शहर के विकास और सामाजिक सेवा में सक्रिय संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा तथा कुछ प्रमुख संगठनों व प्रतिनिधियों को विशिष्ट सेवा सम्मान भी प्रदान किया जाएगा। आयोजन में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

शपथ फाउंडेशन द्वारा जानकारी दी गई कि इस वर्ष से 'थैंक्यू भिलाई' आयोजन में हैरिटेज टॉक की विशेष शुरुआत की जा रही है। इस सत्र में भिलाई के इतिहास, संस्कृति, इस्पात संयंत्र, पायनियर मॉन्यूमेंट और शहर से जुड़ी महत्वपूर्ण धरोहरों पर आधारित प्रश्न-उत्तर आयोजित किए जाएंगे।

इन प्रश्नों के सही और प्रभावशाली उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को मंच पर ही तत्काल सम्मानित किया जाएगा, साथ ही उन्हें पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। यह सत्र भिलाई की विरासत को जानने-समझने और उससे भावनात्मक रूप से जुड़ने का एक अनूठा अवसर होगा। इसके अतिरिक्त आयोजन स्थल पर सर्वधर्म प्रतिनिधियों की उपस्थिति भी रहेगी, जिनके मार्गदर्शन में उपस्थित नागरिक सामूहिक रूप से 'थैंक्यू भिलाई' का उद्घोष करेंगे।

सुसाइड नोट ने खोले दर्दनाक राज, घरेलू हिंसा और पारिवारिक तनाव से टूटा युवक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जामुल थाना क्षेत्र में ग्राफिक डिजाइनर भोजनारायण निषाद की आत्महत्या के मामले में अब एक भावुक और चौंकाने वाला सुसाइड नोट सामने आया है। नोट में मृतक ने अपनी पत्नी और ससुराल पक्ष से जुड़ी परेशानियों, मानसिक प्रताड़ना और घरेलू हिंसा का जिक्र करते हुए आत्महत्या का कारण बताया है।

भोजनारायण ने अपने पत्र में लिखा है कि वापस आकर पत्नी के पास रहना उसकी 'सबसे बड़ी गलती' साबित हुई। उसने खुद को घरेलू हिंसा का शिकार बताया और कहा कि पत्नी से तंग आकर वह यह कदम उठा रहा है। उसने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी तिकेश्वरी का कुछ लोगों, विशेषकर सुनील वर्मा और उसके परिवार से संबंध बन गया था, जिसके चलते उनका दांपत्य जीवन पूरी तरह टूट गया।

सुसाइड नोट में मृतक ने यह भी लिखा कि पहले दोनों के बीच गहरा प्रेम था और वे एक-दूसरे की भावनाओं को बिना बोले समझ लेते थे। लेकिन 30 दिसंबर के बाद से सब कुछ बदल गया। पत्नी ने उसका मोबाइल फोन ले लिया और कई डाटा डिलीट कर दिए, जिससे उसे शक और बढ़ गया।

भोजनारायण ने पत्र में यह आशंका भी जताई कि उसकी पत्नी पर ससुराल पक्ष का दबाव है और उसे मानसिक रूप से नियंत्रित किया जा रहा है। उसने आरोप लगाया कि तिकेश्वरी को बंधक जैसी स्थिति में रखा गया है, उसका इलाज तक ठीक से नहीं कराया जा रहा और उसका स्वास्थ्य लगातार बिगड़ रहा है।

भावुक शब्दों में उसने पत्नी के पिता और भाई से अपील की है कि वे उसे 'नर्क जैसी जिंदगी' से बाहर निकालें। उसने लिखा कि वह लंबे समय से पत्नी को इस स्थिति से निकालने की कोशिश कर रहा था, लेकिन असफल रहा। इसी कारण वह अपनी जान देने जैसा कदम उठा रहा है।

सुसाइड नोट में मृतक ने कुछ चैट स्क्रीनशॉट और ड्राइव लिंक का भी जिक्र किया है, जिसमें पत्नी और एक अन्य व्यक्ति के बीच बातचीत होने की बात कही गई है। उसने लोगों से अपील की है कि सच्चाई को समझें और उसकी पत्नी की मदद करें। अंत में भोजनारायण ने पत्नी से माफी मांगते हुए लिखा कि यदि संभव हो तो उसे माफ कर दें, लेकिन उसकी पत्नी को इस हालात से बाहर निकालने की कोशिश जरूर की जाए।

पुलिस कर रही जांच

जामुल थाना पुलिस ने सुसाइड नोट को जब्त कर लिया है और मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी आरोपों, दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। परिजनों और संबंधित लोगों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं।

इस घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि घरेलू कलह, मानसिक दबाव और पारिवारिक तनाव किस तरह एक युवा की जिंदगी छीन सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि समय रहते यदि मानसिक तनाव से जूझ रहे लोगों को सही सहयोग, संवाद और परामर्श मिले, तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है।

कार्यक्रम 'जीवन दर्पण केवल एक खिलाड़ी की जीवनी नहीं, बल्कि संघर्ष, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प की प्रेरक गाथा

दृष्टिहीन शतरंज खिलाड़ी व महाविद्यालयीन छात्र भूपेंद्र की संघर्षगाथा पर आधारित पुस्तक 'जीवन दर्पण' का राकेश पाण्डेय ने किया विमोचन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दृष्टिहीन शतरंज खिलाड़ी एवं एम.ए. अंतिम वर्ष (हिंदी) के छात्र भूपेंद्र पटेल की प्रेरणादायी जीवन यात्रा पर आधारित पुस्तक 'जीवन दर्पण' का विमोचन भिलाई में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य रेपिड एवं ब्लिट्ज फीडे रेटेड चेस चैंपियनशिप के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर सम्पन्न हुआ। पुस्तक का विमोचन मुख्य अतिथि राकेश पाण्डेय (अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, छत्तीसगढ़ शासन) के करकमलों से किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता बंशी अग्रवाल (अध्यक्ष, अग्रवाल जन कल्याण समिति) ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा, अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी वूमेन फीडे मास्टर सुश्री किरण अग्रवाल तथा राज्य शतरंज संघ के कायर्कारी सदस्य रमेश अग्रवाल की गरिमामय उपस्थिति रही।

पुस्तक के संदर्भ में जानकारी देते हुए संपादक बीजू पटनायक ने कहा कि 'जीवन दर्पण केवल एक खिलाड़ी की जीवनी नहीं, बल्कि संघर्ष, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प की प्रेरक गाथा है। दृष्टिहीनता जैसी गंभीर चुनौती के बावजूद भूपेंद्र पटेल ने शतरंज की बिसात के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में जो उपलब्धियाँ अर्जित की हैं, वह युवाओं के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।'

उन्होंने कहा कि इस पुस्तक के प्रकाशन एवं विमोचन को साकार करने में छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के सचिव हेमंत खुटे का विशेष मार्गदर्शन, निरंतर सहयोग और प्रेरणादायी भूमिका रही, जिनके प्रयासों से ही 'जीवन दर्पण' का प्रकाशन संभव हो सका।

मुख्य अतिथि राकेश पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि शतरंज खेल मानसिक, बौद्धिक एवं भावनात्मक विकास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने अपने भांजे का उदाहरण देते हुए बताया कि वह मानसिक समस्याओं से जूझ रहा था, किंतु शतरंज खेलना प्रारंभ करने के बाद उसकी मानसिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया। उन्होंने कहा कि शतरंज मानसिक स्वास्थ्य के लिए औषधि के समान है, क्योंकि यह मन को शांत करता है, मस्तिष्क को सक्रिय बनाता है और व्यक्तित्व को संतुलित करता है।

कार्यक्रम का कुशल संचालन जिला शतरंज संघ दुर्ग के सचिव तुलसी सोनी ने किया, जबकि जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर राजपूत ने आभार प्रदर्शन करते हुए अतिथियों, खिलाड़ियों, आयोजकों एवं शतरंज प्रेमियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। समारोह में छत्तीसगढ़ के 24 जिलों से आए खिलाड़ी, खेलप्रेमी एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संपादकीय

फिर सवर्णों को भड़काने की कोशिश की जा रही

देश में बहुत सारे राजनीतिक दल है, स्वाभाविक है कि वह जहां भी राजनीतिक फायदा दिखेगा वह राजनीति जरूर करेंगे ।राजनीति का काम ही समाज को टुकड़ों में बांटते जाना है । समाज के छोटे-छोटे टुकड़े कर देना है । उसको जाति में बांट कर रखना है, उसको अगड़ा-पिछड़ा में बांट कर रखना है ।सवर्ण और दलित में बांटना कर रखना है ।वहीं देश में बहुत सारे धार्मिक लोग है, साधु संत हैं,वह समाज को जोड़ने का काम करते रहते हैं ।वह कहते हैं कि तुम सब जाति में मत बंटों, तुम सब हिंदू हो, तुम सब सनातनी हो ।यह दोनों काम देश मे चलता रहता है,एक तरफ देश व समाज को जोड़ने का काम चलता रहता है तो एक तरफ मौका मिलते ही समाज को तोड़ने का काम शुरू हो जाता है । यूजीसी के कुछ नए नियम इन दिनों चर्चा में हैं, उसे लेकर जो कुछ कहा जा रहा है, उससे तो ऐसा लगता है कि अगड़ों व सवर्णों को फिर एक बार भड़काने की कोशिश हो रही है ।

कई सालों बाद अगड़ों को सामान्य वर्ग के लोगों को यूजीसी के कुछ नए नियमों को लेकर भड़काने की कोशिश की जा रही है । उनमें गुस्सा पैदा करने की कोशिश की जा रही है ।ठीक वैसा ही गुस्सा जैसा एक समय मंडल आयोग की सिफारिशें लागू करते समय पैदा हुआ था ।इसके तहत ओबीसी को सरकारी नौकरी में २७ प्रतिशत आरक्षण देने की व्यवस्था थी ।इसके विरोध देश भर में हिंसक विरोध हुआ था। सामान्य वर्ग के युवाओं ने विरोध में आत्मदाह भी किया था । इन दिनों यूजीसी की देश भर की यूनिवर्सिटी व कालेजों में होने वाले जातिगत भेदभाव को दूर करने के लिए नए नियम बनाए हैं । इस नये नियम के अनुसार जातिगत भेदभाव के मामले में एक कमेटी बनाई जाएगी जो एससी,एसटी ओबीसी छात्रों की शिकायते सुनेगी ।तय समय में उसका समाधान करेंगी ।कमेटी में एससी,एसटी,ओबीसी,दिव्यांग और महिलाओं का होना अनिवार्य है ।कमेटी का काम कैंपस में बराबरी का माहौल बनाना है और ओबीसी के लिए योजनाएं लागू करना है ।

यूजीसी का यह नियम बनाया इसलिए गया है कि जातिगत भेदभाव की समस्या का समाधान हो सके । कुछ लोग इस समस्या के समाधान की कोशिश को ही यह कहकर समस्या बनाने का प्रयास कर रहे हैं, सामान्य वर्ग के लोगों को भड़काने का प्रयास कर रहे हैं कि यह नियम सवर्णों व सामान्य वर्ग के लोगों के खिलाफ है ।कहा जा रहा है कि नियमों में सिर्फ एससी,एसटी व ओबीसी के खिलाफ भेदभाव की बात कही गई है । जनरल लोगों के खिलाफ भेदभाव को भेदभाव ही नहीं माना जाएगा,सामान्य वर्ग के लोगों को डराया जा रहा है कि इन नियमों का फायदा उठाकर कोई भी छात्र सामान्य छात्र को फंसा सकता है, उसकी शिक्षा में बाधा पैदा कर सकता है। अभी ऐसा कुछ हुआ नहीं है लेकिन अभी से नियमों का विरोध शुरू हो गया है ।जब होगा तब इस बात को जोरशोर से उठाया जाता तो यूजीसी इस समस्या के समाधान का भी कोई रास्ता निकालता है ।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस मामले में साफ तौर पर कहा है कि यूजीसी के नए नियमों से किसी को भी किसी प्रकार की उत्पीड़न का सामना नहीं करना पड़ेगा,किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होगा ।इसके बाद भी खासकर यूपी में यूजीसी के नए नियमों का सबसे ज्यादा विरोध किया जा रहा है या कहा जा सकता है कि राजनीति शुरू कर दी गई है । इस मामले को तूल देने के लिए सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने पद से इस्तीफा दे दिया है ।यह सामान्य वर्ग के लोगों को इस मामले में भड़काने की कोशिश है, उकसाने की कोशिश है सरकार पर दवाब बढ़ाने के लिए दूसरे सवर्ण भी अपने पद से इसी तरह इस्तीफा देकर विरोध जताएं ।यह सामान्य वर्ग के लोगों का खुद को नेता बनाने की कोशिश है ।यह जताने की कोशिश है कि मैं जो कह रहा हूं, वही सही है, मैंने जो किया है वही सही है ।

इस मामले में अभी बड़े राजनीतिक दल सामने नहीं आए हैं क्योंकि वह जानते हैं कि किसी एक का पक्ष लेने से उनको राजनीतिक नुकसान हो सकता है लेकिन यह तो तय है कि यह जो किया जा रहा है कि इसलिए किया जा रहा है कि यूपी के चुनाव में इसे मुद्दा बनाकर भाजपा को नुकसान पहुंचाया जाए ।सब जानते हैं कि सामान्य वर्ग के लोग भाजपा को ज्यादा वोट देते हैं,इसलिए सामान्य वर्ग को भाजपा के खिलाफ करने के लिए यह सब किया जा रहा है । अब अगर सरकार यूजीसी के नियम बदलती है तो राजनीति करने वाले सरकार को दलित,पिछड़ा विरोधी बताएंगे और सरकार नियम नहीं बदलती है तो भाजपा को वोट बैंक सामान्य वर्ग को भाजपा के खिलाफ भड़काया जाएगा कि देखों तुम लोग भाजपा को वोट देते हो और भाजपा सरकार तुम्हारे खिलाफ नियम बनाती है ।यूजीसी के नए नियमों का विरोध सरकार को मुश्किल मे डालने के लिए किया जा रहा है ।

कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने देश के नागरिकों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की

कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने देश के नागरिकों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की है । ट्रंप प्रशासन द्वारा कनाडाई उत्पादों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी को देखते हुए ये अपील की गई है । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि वह चीन के साथ व्यापार समझौता करता है तो वह कनाड़ा पर सौ फीसदी टैरिफ लगाएंगे । ट्रंप की इस चेतावनी के बाद एक वीडियो संदेश में कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने देशवासियों से स्वदेशी उत्पाद अपनाने की अपील की है । उन्होंने कहा कि 'कनाडा की अर्थव्यवस्था पर बाहरी दबाव है । ऐसे में कनाडा के लोगों के पास यही रास्ता है कि वो ही सामान खरीदें, जो कनाडा में बने हों । दूसरे देश क्या करते हैं, हम उसे नियंत्रित नहीं कर सकते । जो हमारे नियंत्रण में है उसपर फोकस करें । हम ही कनाडा के सबसे अच्छे ग्राहक हैं और हमें कनाडा में बने उत्पाद खरीदने चाहिए ताकि देश को मजबूत बनाया जा सके । अमेरिका और कनाडा दोनों देशों के बीच ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के बाद तल्खी तब और बढ़ गई जब ट्रंप ने कई बार कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही, हालांकि पिछले साल कार्नी ने व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की थी । इस मुलाकात के दौरान उन्होंने साफ शब्दों में कहा था कि कनाडा बिकाऊ नहीं है ।

अशोक मधुप

आज जो हालात कनाडा के साथ हैं, वही दुनिया के कई अन्य देशों के साथ हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कभी भारत तो धमकी देते हैं तो कभी चीन को। ग्रीनलैंड का समर्थन करने वाले देशों को भी इस तरह की उनकी हाल में धमकी आई है। इस तरह की धमकी एक व्यापक वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा है। बड़ी शक्तियों छोटी शक्ति और देशों को दबाकर रखना चाहती हैं। वे छोटे और सम्प्रभू देशों को अपना गुलाम बनाकर रखना पसंद करती है। अपने पर निर्भर बनाए रखना चाहती है। इस तरह के आसन्न खतरे को भारत ने पहले ही भांप लिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफी समय से स्वदेशी अपनाने पर वैसे ही नही जोर दे रहे। भारत में स्वदेशी का विचार कोई नया नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय चेतना का एक महत्वपूर्ण अंग रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विचार को आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से नया आयाम दिया है। वोकल फॉर लोकल का नारा देते हुए उन्होंने देशवासियों से भारतीय उत्पादों को अपनाने और उन्हें वैश्विक बनाने का आह्वान किया है। यह दृष्टिकोण केवल आर्थिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय गौरव और आत्मसम्मान से भी जुड़ा हुआ है। जब हम अपने देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता देते हैं, तो हम न केवल अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा करते हैं। दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता कम होगी। उनका हम पर दबाव कम होगा।

स्वदेशी की अवधारणा को समझने के लिए हमें महात्मा गांधी के स्वदेशी आंदोलन को याद करना होगा। गांधीजी ने स्वदेशी को केवल आर्थिक रणनीति के रूप में नहीं देखा था, बल्कि इसे स्वराज और आत्मनिर्भरता के व्यापक दर्शन का हिस्सा माना था। उनका मानना था कि जब तक हम आर्थिक रूप से परतंत्र रहेंगे, तब तक वास्तविक स्वतंत्रता संभव नहीं है। इसलिए उन्होंने विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार और चरखे से बने खादी को अपनाने पर जोर दिया। गांधीजी के लिए चरखा केवल कपड़ा बनाने का साधन नहीं था, बल्कि यह आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक था।

दरअसल अंग्रेजों के शासन से पहले जरूरत का सारा सामान हमारे यहां गांवझगांव और आसपास में पैदा होता हैं। जरूरत का काफी सामान हम अपने घर तैयार कर लेते थे। अंग्रेजों ने इस व्यवस्था को बड़े-बड़े उद्योग लगाकर खत्म कर दिया।

महात्मा गांधी ने स्वदेशी का महत्व समझा। उनका स्वदेशी आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण हथियार बना। उन्होंने लोगों को समझाया कि जब हम विदेशी वस्तुओं का उपयोग करते हैं, तो हम न केवल अपने देश की संपत्ति को बाहर भेज रहे हैं, बल्कि अपने कारीगरों और श्रमिकों को भी बेरोजगार कर रहे हैं। उनका मानना था कि प्रत्येक भारतीय को अपने गांव और अपने देश में बनी वस्तुओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। यह विचार इतना प्रभावशाली था कि लाखों भारतीयों ने विदेशी कपड़ों की होली जलाई और खादी को अपनाया। यह आंदोलन केवल आर्थिक नहीं था, बल्कि इसने राष्ट्रीय चेतना को जगाने और लोगों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आज की वैश्वीकृत दुनिया में स्वदेशी की अवधारणा नए अर्थ और महत्व प्राप्त कर रही है। कनाडा पर ट्रंप की टैरिफ धमकी यह दर्शाती है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार कितना अनिश्चित और राजनीतिक रूप से प्रभावित हो सकता है। जब कोई देश किसी दूसरे देश पर आर्थिक दबाव बनाना चाहता है, तो व्यापार शुल्क एक प्रमुख हथियार बन जाता है। ऐसी स्थिति में जो देश अपनी घरेलू उत्पादन क्षमता को मजबूत रखते हैं, वे बेहतर तरीके से इन चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। यही कारण है कि कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने नागरिकों से देश में बने उत्पादों को खरीदने का आग्रह किया है।

भारत की आत्मनिर्भर भारत पहल इसी दिशा में एक व्यापक और दूरदर्शी कदम है। इस अभियान का उद्देश्य केवल आयात को कम करना नहीं है, बल्कि भारत को विनिर्माण, नवाचार और तकनीकी विकास का एक वैश्विक केंद्र बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार कहा है कि आत्मनिर्भरता का अर्थ आत्मकेंद्रित होना नहीं है, बल्कि यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक विश्वसनीय और मजबूत भागीदार बनना है। जब भारतीय उत्पाद गुणवत्ता और नवाचार में उत्कृष्ट होंगे, तो वे न केवल घरेलू बाजार में सफल होंगे बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी जगह बनाएंगे।

स्वदेशी को अपनाने का अर्थ यह नहीं है कि हम अंतरराष्ट्रीय व्यापार या वैश्वीकरण के खिलाफ हैं। बल्कि यह एक संतुलित दृष्टिकोण है जो घरेलू उद्योगों को मजबूत करते हुए वैश्विक बाजार में भागीदारी को भी बढ़ावा देता है। जब हमारे उद्योग मजबूत होंगे, तो हम बेहतर शर्तों पर अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भाग ले सकेंगे। यही कारण है कि भारत मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों के माध्यम से घरेलू उत्पादन और नवाचार को बढ़ावा दे रहा है।

स्वदेशी उत्पादों को अपनाने से रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। जब हम स्थानीय उत्पाद खरीदते हैं, तो हम अपने देश के कारीगरों, किसानों, छोटे व्यवसायियों और उद्यमियों की आजीविका का समर्थन करते हैं। भारत जैसे देश में जहां बेरोजगारी एक बड़ी चुनौती है, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकता है। छोटे और मध्यम उद्योग जो भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, तभी फल-फूल सकते हैं जब उन्हें पर्याप्त घरेलू बाजार मिले।

पर्यावरण की दृष्टि से भी स्वदेशी उत्पादों का महत्व बढ़ जाता है। जब हम स्थानीय स्तर पर उत्पादित वस्तुओं का उपयोग करते हैं, तो परिवहन से होने वाला कार्बन उत्सर्जन कम होता है। साथ ही, स्थानीय उत्पादन अक्सर पारंपरिक और टिकाऊ तरीकों का उपयोग करता है जो पर्यावरण के अनुकूल होते हैं। गांधीजी ने भी कहा था कि पृथ्वी के पास हर व्यक्ति की जरूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन किसी के लालच को पूरा करने के लिए नहीं। स्वदेशी की अवधारणा इसी सिद्धांत पर आधारित है।

वतर्मान वैश्विक परिदृश्य में जहां व्यापार युद्ध और आर्थिक राष्ट्रवाद बढ़ रहा है, स्वदेशी की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। कोविड-19 महामारी ने भी हमें सिखाया कि अत्यधिक आयात निर्भरता कितनी खतरनाक हो सकती है। जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं टूट गईं, तो कई देशों को आवश्यक वस्तुओं की कमी का सामना करना पड़ा। भारत ने इस संकट से सीख लेते हुए दवाओं, चिकित्सा उपकरणों, और अन्य आवश्यक वस्तुओं के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दिया है ।कभी हम न मास्क बनाते थे। न सेनेंटाइजर, न अन्य उपकरण। करोनाकाल में हमने कोशिश की और आत्म निर्भर ही नही हुए। देश की बनी करोना वैक्सीन कई देशो को दी।

स्वदेशी को सफल बनाने के लिए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। जब हम खरीदारी करते हैं तो हमें यह देखना चाहिए कि वह उत्पाद कहां बना है और किसके द्वारा बनाया गया है। छोटे निर्णय जैसे स्थानीय बाजार से खरीदारी करना, हस्तशिल्प को बढ़ावा देना, और भारतीय ब्रांड्स को चुनना, सामूहिक रूप से बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं। यह केवल आर्थिक निर्णय नहीं है, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी का प्रश्न है।

संदेश नाकारात्मक है

जिस समय मुक्त व्यापार समझौते के लिए भारत से वार्ता अंतिम दौर में है और इसी हफ्ते उसकी घोषणा की आशा है, जीएसपी के तहत मिली छूट की सुविधा हटाने के ईयू के कदम से नकारात्मक संदेश गया है।

भारतीय उत्पादों से सामान्यीकृत प्राथमिकता प्रणाली (जीएसपी) के तहत मिली छूट को हटा लेने के यूरोपियन यूनियन (ईयू) के फैसले पर केंद्र ने कहा है कि भारतीय निर्यात पर इसका ज्यादा असर नहीं होगा। सरकार का दावा है कि इससे भारत के सिर्फ 2.66 प्रतिशत निर्यात प्रभावित होंगे। जबकि ईयू मुख्यालय से आई खबरों में बताया गया है कि जीएसपी छूट वापस होने से वस्त्र, प्लास्टिक, धातु, इंजीनियरिंग साग्रियां सहित लगभग 87 फीसदी भारतीय निर्यात यूरोपीय बाजार में बांग्लादेश या वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धी देशों के उत्पादों की तुलना में महंगे हो जाएंगे। जिस समय मुक्त व्यापार समझौते के लिए भारत से वार्ता अंतिम दौर में है और इसी हफ्ते उसकी घोषणा की आशा है, बेशक ईयू के इस कदम से नकारात्मक संदेश गया है।

एक समझ यह है कि इससे व्यापार वार्ता में भारत की स्थिति कमजोर हुई है। जो छूट दशकों से हासिल थी, उसे बहाल कराना भी अब इस वार्ता में भारत का एक मकसद हो जाएगा। दूसरी तरफ उन रियायतों को ईयू भारत के लिए नई छूट के रूप में पेश कर सकता है। पहले ही सहमति ना बनने के कारण कृषि एवं निवेश संरक्षण जैसे क्षेत्रों को फिलहाल प्रस्तावित समझौते से अलग रखने का फैसला हुआ है। ईयू के कार्बन टैक्स का मुद्दा अभी अनसुलझा है। इस बीच मदर ऑफ ऑल डील्स तथा रक्षा एवं सुरक्षा समझौता होने जैसी बातें कही जरूर गई हैं।

मगर यह भी साफ किया गया है कि 27 जनवरी को नई दिल्ली में होने वाली भारत- ईयू शिखर बैठक के दौरान समझौतों पर दस्तखत नहीं होंगे। इस बारे में सिर्फ आम सहमति बनने की घोषणा ही अपेक्षित है। गौरतलब है कि ईयू से मुक्त व्यापार समझौते की बात दशक पुरानी हो चुकी है। डॉनल्ड ट्रंप के दौर में बने अमेरिकी दबाव के कारण ईयू और भारत दोनों नए सहभागी ढूंढने को मजबूर हुए हैं, तो इस वार्ता को तरजीह मिली है। मगर अड़चनें अभी बरकरार हैं। इसी बीच ईयू ने जीएसपी सुविधा हटा कर अटकलों को हवा दी है। ऐसा जानबूझ कर किया गया या नहीं, इस बारे में फिलहाल कयास लगाए जा रहे हैं।

सरल नहीं पर प्रभावशाली थे, आदर्शवादी नहीं पर निर्णायक थे अजित पवार

नीरज कुमार दुबे

महाराष्ट्र की राजनीति को आज तब गहरा आघात लगा जब उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बारामती में विमान हादसे में निधन हो गया। लैंडिंग के दौरान विमान में आई तकनीकी खराबी के बाद यह दुर्घटना हुई। हादसे की खबर फैलते ही राज्य भर में शोक की लहर दौड़ गई। देखा जाये तो अजित पवार महाराष्ट्र के उन नेताओं में थे जिन्होंने सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी जमीन से नाता नहीं तोड़ा। वह भले ही कभी मुख्यमंत्री न बने हों, लेकिन राज्य में सबसे लंबे समय तक उपमुख्यमंत्री रहने का इतिहास उनके नाम दर्ज है।

छह बार उपमुख्यमंत्री के रूप में सेवा देने वाले अजित पवार ने अलग-अलग सरकारों में अपनी प्रशासनिक पकड़ और राजनीतिक प्रभाव बनाए रखा। बारामती में अजित पवार की राजनीति का सबसे बड़ा प्रमाण उनका काम खुद था। वह उन गिने चुने नेताओं में थे जिनके लिए अपना खुद का चुनाव प्रचार एक औपचारिकता भर था। विधानसभा चुनावों में वह हमेशा समय पर अपना नामांकन दाखिल करते थे, लेकिन उसके बाद बारामती की गलियों में शायद ही कभी उन्हें प्रचार करते देखा गया। जनता जानती थी कि किसे वोट देना है, इसलिए जनता ही उनका प्रचार करती थी। अजित पवार का भरोसा नारों पर नहीं, काम पर था। इसी आत्मविश्वास के चलते वह बारामती से निश्चिंत रहकर राज्य के दूसरे इलाकों में पार्टी उम्मीदवारों के प्रचार में जुट जाते थे। बारामती उनके लिए सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र नहीं था, वह उनका कर्मक्षेत्र था, जहां उन्होंने यह साबित किया कि जब विकास बोलता है तो नेता को खुद बोलने की जरूरत नहीं पड़ती।

अजित पवार ने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वह चीनी मिल के बोर्ड में चुने गए और यहीं से बारामती की राजनीति में उनकी जड़ें मजबूत होती गईं। 1991 में वह पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और उसी वर्ष बारामती से लोकसभा सांसद चुने गए। बाद में उन्होंने यह सीट शरद पवार के लिए खाली की। इसके बाद वह बारामती से सात बार विधायक बने। उनके परिवार में पत्नी सुनेत्रा पवार और दो पुत्र जय और पार्थ हैं। सहकार से सत्ता तक का उनका सफर बारामती से शुरू हुआ और वहीं समाप्त हुआ।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को चुनाव आयोग ने पार्टी का मूल नाम और चुनाव चिन्ह सौंपा था। यह गुट भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति के साथ जुड़ा। वहीं उनके चाचा और वरिष्ठ नेता शरद पवार ने अलग रह कर एनसीपी-एससीपी का नेतृत्व संभाला। यह विभाजन महाराष्ट्र की राजनीति का सबसे भावनात्मक और निर्णायक मोड़ माना गया। दोनों पक्षों का विवाद अदालत के दरवाजे तक पहुँचा लेकिन हाल के दिनों में पवार परिवार एकजुट नजर आ रहा था। हम आपको याद दिला दें कि 2024 के लोकसभा चुनावों में अजित पवार ने अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ उतार कर पारिवारिक और राजनीतिक रिश्तों में तीखापन ला दिया था, लेकिन समय के साथ उन्होंने यह स्वीकार किया था कि वह फैसला एक भूल था। राजनीति के उस कठोर दौर के बाद हालिया निकाय चुनावों में उन्होंने जिस परिपक्वता का परिचय दिया, वह उनके व्यक्तित्व का दूसरा और अधिक मानवीय पक्ष सामने लाता है। शरद पवार की पार्टी के साथ गठबंधन कर दोनों एनसीपी को एक मंच पर लाने की पहल उन्होंने खुद की थी। बहन सुप्रिया के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने साफ कहा था कि परिवार में कोई मतभेद नहीं हैं और जनता चाहती है कि दोनों दल साथ मिलकर काम करें। यह सिर्फ राजनीतिक बयान नहीं था, बल्कि एक भावनात्मक स्वीकारोक्ति भी थी। देखा जाये तो अपने निधन से पहले अजित पवार कम से कम इतना तो कर ही गए कि उन्होंने परिवार से सुलह कर ली, टूटे रिश्तों को जोड़ दिया और महाराष्ट्र की राजनीति को यह संकेत दे दिया कि टकराव नहीं, संवाद ही आगे का रास्ता है।

अपने लंबे राजनीतिक जीवन में अजित पवार ने पृथ्वीराज चव्हाण, देवेंद्र फडणवीस, उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे जैसे मुख्यमंत्रियों के साथ काम किया। गठबंधनों के बदलते दौर में भी अपनी उपयोगिता और असर बनाए रखना उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी रही। अजित पवार चूंकि केंद्र और महाराष्ट्र में सत्तारुढ़ एनडीए के प्रमुख घटक थे इसलिए उनका निधन बड़ा राजनीतिक नुकसान भी है। देखा जाये तो अजित पवार का जाना सिर्फ एक व्यक्ति का जाना नहीं है, यह उस राजनीतिक शैली का अंत है जो चुपचाप काम करने में यकीन रखती थी। उनकी राजनीति प्रशासनिक पकड़, आंकड़ों की समझ और सत्ता की नस पहचानने की कला से बनी थी। शरद पवार की विशाल छाया में राजनीति शुरू करना आसान था, लेकिन उस छाया से निकलकर अपनी पहचान बनाना बेहद कठिन था। अजित पवार ने यह कठिन रास्ता चुना। वह हमेशा इस द्वंद्व में रहे कि उन्हें उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाए या एक स्वतंत्र नेता के रूप में। शायद इसी बेचैनी ने उन्हें बार-बार जोखिम लेने के लिए प्रेरित किया।

2023 की वह सुबह भारतीय राजनीति के सबसे नाटकीय क्षणों में गिनी जाती है जब उन्होंने अचानक सत्ता का समीकरण बदल दिया था। उनकी काफी आलोचना हुई, अविश्वास भी पैदा हुआ, लेकिन यह भी सच है कि उसी क्षण ने उन्हें निर्णायक नेता के रूप में स्थापित किया। बाद में चुनाव आयोग का फैसला उनके पक्ष में जाना इस बात का संकेत था कि राजनीति में साहस कई बार वैधता भी दिला देता है। अजित पवार की राजनीति नैतिकता के आदर्शों की किताब से कम और यथार्थ की जमीन से ज्यादा निकली थी। यही कारण है कि वह आलोचकों के निशाने पर भी रहे और समथर्कों के भरोसे का केंद्र भी बने। वह जानते थे कि सत्ता स्थायी नहीं होती, लेकिन प्रभाव बनाया जा सकता है। उन्होंने वही किया। विभिन्न लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान मैंने खुद देखा कि वह समथर्कों और कार्यकर्ताओं के कितने करीब रहते हैं और सबकी बातें ध्यान से सुनते हैं। यही कारण था कि बारामती में खासतौर पर अजित दादा के नाम का बोलबाला हर जगह देखने को मिलता है।

आज जब उनका जाना अचानक और असमय हुआ है, महाराष्ट्र की राजनीति एक खालीपन महसूस कर रही है। यह खालीपन सिर्फ पद का नहीं, उस अनुभव का है जो दशकों में गढ़ा जाता है। आने वाले समय में यह सवाल और तीखा होगा कि क्या कोई नेता सहकार से सत्ता तक के इस रास्ते को फिर उसी धार और दृढ़ता से तय कर पाएगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि अजित पवार की विरासत विरोधाभासों से भरी रही, लेकिन शायद यही उनकी सच्ची पहचान भी है। वह सरल नहीं थे, पर प्रभावशाली थे। वह आदशर्वादी नहीं थे, पर निर्णायक थे। और इसी वजह से महाराष्ट्र की राजनीति में उनका नाम लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

बुजुर्गों की सेवा में 'समय बैंक'

विनीत नारायण

स्विट्जरलैंड में इस कार्यक्रम की शुरुआत बुजुर्गों की बढ़ती आबादी और उनकी देखभाल की जरूरतों को ध्यान में रखकर की गई थी। कार्यक्रम के अनुसार, स्वस्थ और संवाद करने में कुशल व्यक्ति बुजुर्गों की मदद करते हैं, जैसे खरीदारी करना, कमरा साफ करना, सूरज की रोशनी में बाहर ले जाना या बस बातचीत करना। प्रत्येक घंटे की सेवा को सामाजिक सुरक्षा प्रणाली के व्यक्तिगत 'समय खातेइ में जमा किया जाता है।

भारत जैसे देश में, जहां बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और पारंपरिक परिवार संरचना कमजोर पड़ रही है, बुजुर्गों की देखभाल एक बड़ी चुनौती बन गई है। सरकारी पेंशन योजनाएं और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम तो हैं, लेकिन वे अक्सर अपर्याप्त साबित होते हैं। ऐसे में, स्विट्जरलैंड की 'समय बैंकइ अवधारणा एक प्रेरणादायक मॉडल प्रस्तुत करती है, जो न केवल बुजुर्गों की देखभाल को सुनिश्चित करती है बल्कि समाज में सहानुभूति और सामुदायिक भावना को भी मजबूत करती है। यह अवधारणा, जो स्विट्जरलैंड के संघीय सामाजिक सुरक्षा मंत्रालय द्वारा विकसित की गई है, युवाओं को बुजुर्गों की सेवा करने का अवसर देती है और बदले में उन्हें भविष्य में खुद की देखभाल के लिए 'समयइ जमा करने की अनुमति देती है। भारत सरकार को इस मॉडल को अपनाने पर विचार करना चाहिए, क्योंकि यह हमारी सांस्कृतिक मूल्यों से मेल खाता है और आर्थिक बोझ को कम कर सकता है। स्विट्जरलैंड में इस कार्यक्रम की शुरुआत बुजुर्गों की बढ़ती आबादी और उनकी देखभाल की जरूरतों को ध्यान में रखकर की गई थी। कार्यक्रम के अनुसार, स्वस्थ और संवाद करने में कुशल व्यक्ति बुजुर्गों की मदद करते हैं, जैसे खरीदारी करना, कमरा साफ करना, सूरज की रोशनी में बाहर ले जाना या बस बातचीत करना। प्रत्येक घंटे की सेवा को सामाजिक सुरक्षा प्रणाली के व्यक्तिगत 'समय खातेइ में जमा किया जाता है। जब व्यक्ति खुद बुजुर्ग हो जाता है या बीमार पड़ता है, तो वह इस जमा समय को निकाल सकता है और अन्य स्वयंसेवक उसकी देखभाल करेंगे। यह प्रणाली न केवल पैसे की बचत करती है बल्कि मानवीय संबंधों को भी मजबूत करती है।

कल्पना कीजिए, एक युवा व्यक्ति जो सप्ताह में दो बार दो घंटे बुजुर्गों की सेवा करता है। एक साल बाद, 'समय बैंकइ उसके कुल सेवा समय की गणना करता है और उसे एक 'समय बैंक कार्डइ जारी करता है। इस कार्ड से वह भविष्य में 'समय और समय ब्याजइ निकाल सकता है। यानी, जमा समय पर ब्याज भी मिलता है, जो प्रोत्साहन का काम करता है। स्विट्जरलैंड में यह प्रथा अब सामान्य हो गई है और सरकार ने इसे समर्थन देने के लिए कानून भी पारित किया है। यह मॉडल पेंशन व्यय को कम करता है और समाज को अधिक सहयोगी बनाता है। भारत में इस अवधारणा को लागू करने की संभावनाएं अपार हैं। एक अनुमान के तहत, 2030 तक हमारे देश में बुजुर्गों की आबादी 19 करोड़ से अधिक हो जाएगी और कई परिवारों में बच्चे शहरों में बस जाते हैं, जिससे बुजुर्ग अकेले रह जाते हैं। पारंपरिक रूप से, भारत में बुजुर्गों की देखभाल परिवार की जिम्मेदारी रही है, लेकिन आधुनिकीकरण ने इस संरचना को प्रभावित किया है। 'समय बैंकइ जैसा कार्यक्रम युवाओं को प्रोत्साहित कर सकता है कि वे बुजुर्गों की सेवा करें और बदले में उन्हें सुरक्षा का आश्वासन मिले। यह न केवल सरकारी संसाधनों पर दबाव कम करेगा बल्कि बेरोजगार युवाओं को सार्थक कार्य प्रदान करेगा।

उदाहरण के लिए, स्विट्जरलैंड की एक कहानी से प्रेरणा लें। वहां एक 67 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षिका क्रिस्टीना एक 87 वर्षीय बुजुर्ग की देखभाल करती थीं। उन्होंने कहा कि वह पैसे के लिए नहीं, बल्कि 'समय बैंकइ में समय जमा करने के लिए ऐसा कर रही थीं। जब वे खुद घायल हुईं, तो 'समय बैंकइ ने तुरंत एक नर्सिंग कार्यकर्ता भेजा, जो उनकी देखभाल करने लगा। कुछ दिनों में वे स्वस्थ हो गईं और फिर से सेवा में लग गईं। यह कहानी दर्शाती है कि कैसे यह प्रणाली व्यावहारिक और प्रभावी है। भारत में भी, यदि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर ऐसा कार्यक्रम शुरू करें, तो लाखों बुजुर्गों का जीवन बेहतर हो सकता है। हालांकि, भारत में इसे लागू करने से पहले कुछ चुनौतियों पर विचार करना जरूरी है। सबसे पहले, कार्यक्रम की प्लेटफार्म की जरूरत होगी, जहां सेवा घंटों को रिकॉर्ड किया जा सके। आधार कार्ड और डिजिटल इंडिया जैसे मौजूदा सिस्टम इसमें मदद कर सकते हैं। दूसरा, स्वयंसेवकों की ट्रेनिंग जरूरी है, ताकि वे बुजुर्गों की भावनात्मक और शारीरिक जरूरतों को समझ सकें। तीसरा, दुरुपयोग को रोकने के लिए सख्त सत्यापन प्रक्रिया होनी चाहिए, जैसे कि समय निकासी के समय पहचान जांच। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की कमी एक समस्या हो सकती है, इसलिए ऑफलाइन मोड भी विकसित किया जाना चाहिए।

फोकस

ग्वालियर से लाई जा रही चंदखुरी के लिए श्रीराम की नई प्रतिमा

रायपुर। चंदखुरी स्थित कौशल्या माता धाम में जल्द भगवान श्रीराम की नई प्रतिमा लगाई जाएगी। ग्वालियर में नई प्रतिमा बनकर तैयार है, जिसे लाने के लिए टीम ग्वालियर निकल चुकी है। कुछ दिन में श्रीराम की प्रतिमा लाकर शुभ मुहूर्त में स्थापित किया जाएगा। पर्यटक एवं संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य ने इस बात की जानकारी देते हुए बताया कि ळउक्छ आर्गेनाइजेशन की ओर से कौशल्या माता धाम में प्रतिमा लगाई गई थी। जो प्रतिमा बनी थी, वह प्रपोशन में नहीं होने के कारण हमने बता दिया था कि यह प्रतिमा हमें मंजूर नहीं है। इसीलिए वह प्रतिमा हमे रिप्लेश करके चाहिए।

चन्द्रखुरी स्थित कौशल्या मंदिर में भगवान श्री राम की वनवासी स्वरुप वाली 51 फीट ऊंची यह प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इस प्रतिमा को वहां वतर्मान में स्थापित भगवान श्री राम की प्रतिमा की जगह पर ही स्थापित किया जाएगा। इस प्रतिमा के निर्माण के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर के प्रसिद्ध राष्ट्रपति सम्मानित मूतिर्कार दीपक विश्वकर्मा को निर्देश दिए थे। इसके बाद ग्वालियर सेंड स्टोन आर्ट एंड क्राफ्ट सेंटर पर मूर्ति का निर्माण कार्य शुरू हुआ था, जो अब पूरा हो गया है। प्रतिमा की एक खासियत यह भी है कि इसमें 108 मनके रुद्राक्ष के बनाये गए है।

4 नक्सलियों ने किया सरेंडर

सुकमा। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की कमर लगातार टूट रही है। नक्सल संगठन को फिर बड़ा झटका लगा है। सुकमा जिला मुख्यालय में शुक्रवार को 8 लाख रुपए के इनामी 4 नक्सलियों ने हथियार के साथ पुलिस अधिकारियों के समक्ष सरेंडर किया है, इनमें एसीएम रैंक के नक्सली शामिल हैं। सरेंडर करने वालों में 2 महिला नक्सली हैं। इस दौरान SLR, INSAS, .303, .315 रायफल व एम्युनेशन जमा किया गया है।

जहां कभी गोलियों की गूंज थी, वहां आज ढोल-मांदर की थाप बजती है- मंत्री कश्यप

जिला स्तरीय एक दिवसीय 'जनजातीय गौरव और परंपरा का पर्व बस्तर पंडुम' का हुआ शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और जनजातीय अस्मिता को सहजने एवं संवारने के उद्देश्य से बस्तर पंडुम का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में माँ दंतेश्वरी मंदिर के पावन प्रांगण में जिला स्तरीय बस्तर पंडुम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बस्तर की लोकसंस्कृति, पारंपरिक कला, नृत्य, संगीत एवं रीति-रिवाजों की जीवंत झलक देखने को मिली, जिसने उपस्थित जनसमूह को बस्तर की आत्मा से जोड़ दिया। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि बस्तर बदल रहा है, बस्तर की तस्वीर बदल रही है और देश-विदेश में बस्तर की एक नई पहचान बन रही है। जहां कभी गोलियों की गूंज थी, वहां आज ढोल-मांदर की थाप बजती है।

बस्तर की संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करना

जिला स्तरीय बस्तर पंडुम के शुभारंभ अवसर पर वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि बस्तर की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और विरासत को सहेजना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत दंतेवाड़ा जिले से हुई है और उनके जीवन का आधा से अधिक समय यहीं बीता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुसार बस्तर की संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बस्तर पंडुम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध क्षेत्र है। माँ दंतेश्वरी मंदिर, ढोलकाल, बारसूर, चित्रकूट और तीरथगढ़ जैसे अनेक प्रमुख पर्यटन स्थल बस्तर की पहचान हैं।

इस अवसर पर सदस्य छग राज्य महिला आयोग श्रीमती ओजस्वी मंडावी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविन्द कुंजाम, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता भास्कर, नगर पालिका उपाध्यक्ष कैलाश मिश्रा, जिला पंचायत एवं जनपद के जनप्रतिनिधि, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीईओ सहित अधिकारी-कमर्चारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, सर्व समाज प्रमुख उपस्थित रहे।

बस्तर पंडुम ने बस्तर के बदलते स्वरूप को दर्शाती है

मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि बस्तर पंडुम के माध्यम से हम अपनी सांस्कृतिक धरोहर को विश्व पटल तक पहुँचाने का कार्य कर रहे हैं। इस आयोजन में 12 विधाओं में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे हैं। हमारे पूवर्जों ने बस्तर की संस्कृति को सहज और जीवंत रखा है, और यह हम सभी का कर्तव्य है कि इस सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रखें। उन्होंने कहा कि पहले बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा में जहाँ कभी गोलियों की गूंज सुनाई देती थी, आज वहाँ ढोल-मांदर की थाप सुनाई दे रही है, जो बस्तर के बदलते स्वरूप को दर्शाती है। उन्होंने आगे कहा कि हमें केवल किताबों तक सीमित नहीं रहना है, बल्कि पूवर्जों से मिली संस्कृति को उसकी पहचान बनानी है।

पहले अति संवेदनशील जिले आज आकांक्षी जिले में शामिल

श्री कश्यप ने कहा कि अब बस्तर से नक्सलवाद समाप्ति की ओर है और यह क्षेत्र एक समृद्ध एवं विकसित बस्तर के रूप में आगे बढ़ रहा है, जो जिले पहले अति संवेदनशील कहलाते थे, वे आज प्रधानमंत्री द्वारा घोषित आकांक्षी जिलों में शामिल हैं। उन्होंने युवा वर्ग से बस्तर के पारंपरिक गीत, संगीत जैसे 'आया माचो दंतेश्वरी' और 'साय रेला' जैसे पारंपरिक गीतों को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म में फॉलों कर प्रचार-प्रसार करने को आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने जिला स्तरीय बस्तर पंडुम के स्टॉलों का निरीक्षण कर पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लिया।

छात्रों के मलखंभ के प्रदर्शन ने लोगों का मन मोहा

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रस्तुति के क्रम में कुआकोंडा पोटाकेबिन-2 के छात्रों ने मलखंभ विधा में साहसिक करतब करते हुए लोगों को तालियां बजाने के लिए मजबूर कर दिया। अपनी फुर्ती और कलाबाजियों से मंत्रमुग्ध करते हुए छात्रों ने मलखंभ का अद्भुत प्रदर्शन किया। इसके साथ ही ग्राम मोखपाल के नतक दलों ने पारंपरिक नृत्य तथा ग्राम मड़से के कलाकारों ने ठेठ ग्रामीण हाट बाजार के जनजीवन की जीवन्त प्रस्तुति दी। इसके अलावा जगदलपुर से आए बादल एकेडमी से आए कलाकारों की प्रस्तुतियां भी सराहनीय रही।

सुर्खियां बटोरने के लिए बाघों का आयात करने को तैयार वन विभाग, परंतु अपने ही स्वस्थ बाघ को छोड़ना भूला

नितिन सिंघवी ने वन विभाग की उदासीनता पर उठाए गंभीर सवाल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ वन विभाग शीघ्र ही मध्य प्रदेश से बाघों का आयात कर उन्हें गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व तथा उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में छोड़ने की तैयारी में जुटा है। इस उद्देश्य से दोनों टाइगर रिजर्व में बाघों के शिकार प्रजातियों—हिरण आदि—को प्रदेश के विभिन्न चिड़ियाघरों तथा अटारी स्थित नंदनवन जंगल सफारी से लाकर छोड़े जाने की भी योजना बनाई जा रही है। इतना ही नहीं, गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व में आयातित बाघ को सॉफ्ट रिलीज देने के नाम पर लगभग एक हेक्टेयर का बाड़ा (एन्क्लोजर) भी तैयार किया जा रहा है। लेकिन आश्चर्यजनक और दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि वन विभाग अपने ही यहां मौजूद, पूर्णत: स्वस्थ हो चुके एक बाघ को जंगल में छोड़ने के प्रति पूरी तरह उदासीन बना हुआ है और उसे अब भी कैद में रखा गया है।

बीजापुर वन मंडल में अप्रैल 2025 में एक बाघ शिकारियों द्वारा लगाए गए लोहे के फंदे में फँसकर गंभीर रूप से घायल हो गया था। वन विभाग की निष्क्रियता के चलते लगभग 20 दिनों तक बाघ फंदे के साथ घूमता रहा, जिससे उसका घाव और गहरा हो गया। बाद में उसे उपचार हेतु नंदनवन जंगल सफारी, रायपुर लाया गया। दिनांक 30 जुलाई 2025 को उस बाघ की एक जटिल लेकिन सफल सर्जरी की गई। सर्जरी के लगभग चार महीने बाद, नवंबर 2025 में की गई विस्तृत चिकित्सकीय जांच में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने बाघ को क्लिनिकली स्वस्थ, सक्रिय और पूरी तरह चलने-फिरने में सक्षम पाया।

भूल गया वन विभाग

रायपुर निवासी नितिन सिंघवी ने आरोप लगाया कि विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों द्वारा स्पष्ट रूप से यह कहे जाने के बावजूद कि बाघ पूरी तरह स्वस्थ है और सामान्य रूप से चल-दौड़ सकता है, दो माह बीत जाने के बाद भी वन विभाग ने अब तक इस बाघ को उसके उपयुक्त प्राकृतिक आवास में सॉफ्ट रिलीज करने की कोई ठोस योजना नहीं बनाई है। न तो कोई समय-सीमा तय की गई है और न ही कोई आधिकारिक पहल दिखाई दे रही है।

चार-चार विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों की जांच रिपोर्ट में क्या है

सर्जरी के चार माह बाद डॉ. पियूष दुबे, डॉ. संतोष आदिल, डॉ. पी. के. चंदन एवं डॉ. जे. के. जाडिया द्वारा की गई जांच में पाया गया कि बाघ पूरी तरह स्वस्थ और सतर्क है। सर्जरी का घाव पूरी तरह भर चुका है और वहां दोबारा बाल उग आए हैं। बाघ घायल पैर पर पूरा वजन डाल पा रहा है तथा पंजे की पकड़ (ग्रिप) सामान्य है। चलने, दौड़ने या जमीन से उठते समय दर्द के कोई लक्षण नहीं दिखे। बाघ दोनों पिछले पैरों पर आराम से पूरे शरीर का वजन संभाल पा रहा है। धीरे चलने पर कभी-कभी बहुत हल्की लंगड़ाहट दिखती है, लेकिन दौड़ते समय कोई लंगड़ाहट नहीं होती। जांच के आधार पर चिकित्सकों ने निष्कर्ष दिया कि बाघ स्वस्थ है और ठीक से भोजन कर रहा है। हल्की लंगड़ाहट सर्जरी में लगाए गए इम्प्लांट या समायोजन के कारण हो सकती है, जो समय के साथ और सुधर सकती है। इस समय इम्प्लांट निकालने की कोई चिकित्सकीय आवश्यकता नहीं है। सर्जरी के चार महीने बाद बाघ की हालत बहुत अच्छी है और उसकी शारीरिक क्षमता संतोषजनक पाई गई है।

कोर्ट से क्यों छुपाई इस टाइगर की जानकारी

कोर्ट से क्यों छुपाई इस टाइगर की जानकारी रायपुर निवासी नितिन सिंघवी ने बताया कि नवंबर 2024 में कोरिया जिले में बाघ के शिकार के बाद माननीय उच्च न्यायालय ने स्वत: संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका दर्ज की थी। इसके बावजूद 27.10.2025 और 10.12.2025 को कोर्ट में यह कहा गया कि किसी नई पोचिंग की घटना की जानकारी नहीं है। जबकि अप्रैल 2025 में बीजापुर वन मंडल में बाघ के पोचिंग की यह गंभीर घटना हुई थी और बाद में वही बाघ जंगल सफारी में रखा गया। यह घटना प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) के संज्ञान में पूरी तरह थी। सिंघवी ने सवाल उठाया कि जब यह घटना विभाग के संज्ञान में थी, तो इसे माननीय न्यायालय से क्यों छुपाया गया और क्यों कहा गया कि किसी नई पोचिंग की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बारे में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) को सार्वजनिक रूप से स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए, क्योंकि यह न केवल न्यायालय की अवमानना की श्रेणी में आ सकता है, बल्कि वन्यजीव संरक्षण जैसे संवेदनशील विषय में पारदर्शिता की कमी को भी उजागर करता है।

उन्होंने कहा कि जब विशेषज्ञ डॉक्टर लिखित रूप में स्पष्ट कर चुके हैं कि बाघ पूर्णतः स्वस्थ है, तो एक दिन की भी अनावश्यक देरी उसके प्राकृतिक अधिकारों और वन्यजीव संरक्षण के सिद्धांतों के विरुद्ध है।

सिंघवी ने आरोप लगाया कि वन विभाग का ध्यान मध्य प्रदेश से बाघ लाकर छोड़ने की योजना के प्रचार-प्रसार के माध्यम से सुखियाँ बटोरने में लगा है। उन्होंने सवाल किया कि जब बाघ लाने के लिए संसाधन, बाड़े और योजनाएं बनाई जा सकती हैं, तो अपने ही यहां मौजूद स्वस्थ बाघ को जंगल में लौटाने में इतनी बेरुखी क्यों? उन्होंने कहा कि इस स्वस्थ बाघ को तत्काल उपयुक्त जंगल में सॉफ्ट रिलीज किया जाए। वन्यजीव प्रदर्शन की वस्तु नहीं हैं, बल्कि उन्हें प्राकृतिक जीवन का अधिकार दिया जाना चाहिए। अन्यथा यह मामला वन्यजीव संरक्षण नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और नैतिक विफलता का उदाहरण बन जाएगा।

प्रशिक्षण

वन्यजीव संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी

बारनवापारा पहुंचे प्रशिक्षु IFS अफसर, वन्यजीव प्रबंधन का लिया व्यवहारिक प्रशिक्षण

नई दृष्टिबिंदु / बलौदाबाजार

बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में प्रशिक्षु भारतीय वन सेवा अधिकारियों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षु अधिकारियों को आधुनिक तकनीकों, आईटी आधारित वन प्रबंधन तथा वन्यजीव संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। इस प्रशिक्षण से भावी वन अधिकारियों ने क्षेत्रीय स्तर पर उपयोग में आने वाली तकनीक एवं प्रबंधन प्रक्रियाओं से व्यावहारिक रूप से परिचित हुए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं क्षेत्रीय निदेशक स्तोविषा समझदार ने डीजीपीएस की कार्यप्रणाली, उसकी उपयोगिता तथा वन सर्वेक्षण, सीमांकन एवं प्रबंधन में इसके महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डीजीपीएस आधारित सर्वेक्षण से वन क्षेत्रों में सटीक डेटा संग्रह संभव होता है जो दीघर्कालिक संरक्षण योजनाओं के लिए अत्यंत उपयोगी है।इसी क्रम में उप-निदेशक, उदंतीझ्रसीतानदी टाइगर रिजर्व वरुण जैन ने ह्लगज संकेतह्व मोबाइल एप्लिकेशन के बारे में जानकारी दी।उन्होंने बताया कि यह एप हाथी मॉनिटरिंग, मूवमेंट ट्रैकिंग, मानवझ्रहाथी संघर्ष प्रबंधन तथा त्वरित सूचना साझा करने में एक प्रभावी डिजिटल टूल के रूप में कार्य करता है। प्रशिक्षु अधिकारियों को एप के फील्ड उपयोग, डेटा एंट्री एवं प्रबंधन से संबंधित व्यावहारिक पहलुओं से भी अवगत कराया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने कहा कि इस प्रकार के तकनीकी एवं फील्ड आधारित प्रशिक्षण भावी वन अधिकारियों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, डिजिटल टूल्स एवं वैज्ञानिक प्रबंधन पद्धतियों के माध्यम से वन एवं वन्यजीव संरक्षण को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है तथा ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम अधिकारियों को जमीनी स्तर पर बेहतर निर्णय लेने में सहायक सिद्ध होंगे। अधीक्षक बारनवापारा अभयारण्य कृषानू चन्द्राकार ने प्रशिक्षु अधिकारियों को बारनवापारा अभयारण्य की भौगोलिक, पारिस्थितिक एवं संरक्षण संबंधी विशेषताओं की जानकारी दी। इसके साथ ही अधिकारियों को अभयारण्य में संचालित वनभैंसा संरक्षण केंद्र, ब्लैकबक रिलोकेशन एवं संरक्षण केंद्र, ग्रासलैंड विकास क्षेत्रों सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण कराया जिससे उन्हें संरक्षण कार्यों को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर मिला।

4 फरवरी को होगी मंत्रिपरिषद की बैठक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ मंत्रिपरिषद की बैठक 04 फरवरी 2026 को पूर्वान्ह 11।30 बजे मंत्रालय महानदी भवन स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में राज्य से जुड़े महत्वपूर्ण नीतिगत और प्रशासनिक विषयों पर चर्चा होने की संभावना है।

इधर, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गहरा शोक व्यक्त किया है। महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान दुर्घटना में अजित पवार सहित अन्य लोगों के निधन को मुख्यमंत्री साय ने अत्यंत दुःखद और हृदयविदारक घटना बताया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अजित पवार का सम्पूर्ण जीवन कृषक कल्याण, जनसेवा और देश के विकास के लिए समर्पित रहा। उनका असमय निधन न केवल उनके परिवार, समथर्कों और सहयोगियों के लिए, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति और सार्वजनिक जीवन के लिए भी अपूरणीय क्षति है।

मुख्यमंत्री साय ने दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रभु श्रीराम से प्राथर्ना की कि वे सभी को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। राज्य सरकार की ओर से भी इस दुखद घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की गई है।

बच्चे के गेमिंग एडिक्शन छुड़वाने के लिए अपनाएं यह टिप्स

बच्चों को गेम खेलना काफी पसंद होता है। लेकिन यह देखने में आता है कि बच्चे आउटडोर गेम खेलने की जगह ऑनलाइन गेमिंग या फिर फोन में ऐप इंस्टॉल करके गेम खेलने को अधिक प्राथमिकता देते हैं। हालांकि, इस तरह गेम खेलना उनके स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। इससे ना केवल उनकी आंखों पर असर पड़ता है, बल्कि लगातार बैठे रहने से बच्चों को मोटापा व अन्य कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी हो जाती है। साथ ही साथ, अगर उन्हें गेमिंग एडिक्शन हो जाता है, तो इसे छुड़वाना काफी कठिन हो जाता है।

हालांकि, ऐसे कई बच्चे हैं, जो लगातार फोन में गेम खेलते हुए इस हद तक एडिक्ट हो चुके हैं कि इसका असर उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर साफतौर पर नजर आने लगा है। हो सकता है कि आपके बच्चे का नाम भी इस लिस्ट में शामिल हो। तो ऐसे में आपको परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। आज इस लेख में आपको कुछ ऐसे छोटे-छोटे तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी मदद से आप बच्चे के गेमिंग एडिक्शन को आसानी से दूर कर सकते हैं

एकदम से ना छीनें गेम

अगर बच्चा ऑनलाइन गेम खेल रहा है तो आपको इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि आप उससे कभी भी एकदम से फोन या गेम नहीं छीनना चाहिए। इससे अक्सर बच्चे गुस्सैल हो जाते हैं और हो सकता है कि वह आपकी बात ना माने या फिर तोड़-फोड़ भी करें। इसलिए, आपको उनका ध्यान धीरे से भटकारा चाहिए। इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप पहले एक-दो मिनट के लिए उसके गेम में इंटरस्ट दिखाए। उसके बाद आप धीरे से उसे किसी अन्य बातों में लगाएं और उसका ध्यान भटकाने का प्रयास करें।

बोरियत करें खत्म

अमूमन यह देखने में आता है कि बच्चे ऑनलाइन गेमिंग के एडिक्ट इसलिए हो जाते हैं, क्योंकि उनके पास पर्याप्त समय होता है और उन्हें समझ ही नहीं आता कि वह अपने समय को किस तरह व्यय करें। ऐसे में वह फोन में गेम की तरफ झुकते हैं। इसलिए आपको इस बात की कोशिश करनी चाहिए कि आप उनकी बोरियत को दूर करने के लिए अन्य प्रयास करें। इसके लिए, आप उनकी दोस्ती अन्य बच्चों से करवाएं। साथ ही उन्हें कुछ ऐसे नए गेम लेकर दें, जिसमें उनकी फिजिकल एक्टिविटी हो सके। इतना ही नहीं, आप उन्हें बिजी रखने के लिए उन्हें किसी एक्टिविटी क्लॉस भी ज्वॉइन करवा सकती हैं। जब उनके पास पर्याप्त समय ही नहीं होगा, तो धीरे-धीरे उनका एडिक्शन कम होने लगेगा।

दें समय

किसी भी बच्चे के लिए सबसे ज्यादा जरूरी होता है उसके माता-पिता का समय। लेकिन आज के समय में अधिकतर पैरेंट्स बहुत अधिक बिजी रहते हैं और इसलिए, वह बच्चों के हाथों में फोन पकड़ा देते हैं। इसलिए आप कोशिश करें कि आप अपने बच्चे को फोन देने के स्थान पर उसे समय दें। जब आप अपना समय उन्हें देते हैं तो बच्चे गेम खेलने से ज्यादा आपके साथ समय बिताना व मस्ती करना पसंद करेंगे।

नकारात्मक पहलू समझाएं

अगर बच्चा उम्र में बड़ा है तो ऐसे में आप इस उपाय को भी अपना सकती हैं। आप उसे जबरदस्ती गेम छीनने या गुस्सा करने के स्थान पर लंबे समय तक गेम खेलने के नकारात्मक पहलुओं के बारे में बताएं। आज के समय में बच्चा कोई भी काम तभी करना पसंद करता है, जब उसे उसकी पूरी जानकारी हो। इसलिए आप उसके नेगेटिव इफेक्ट समझाएं। साथ ही, उसका स्क्रीन टाइम भी सेट करें।

ऑफिस में मिलेगी आपके काम को तवज्जो, अपनाएं यह ट्रिक्स

अगर ऑफिस में कड़ी मेहनत करने के बाद भी आपको ऑफिस में कोई भी नोटिस नहीं करता है तो आप इन आसान ट्रिक्स को अपनाने के बाद सबकी नजरों में आसानी से आ सकती हैं।

यह तो हम सभी जानते हैं कि सफलता की पहली सीढ़ी मेहनत ही है। सिर्फ मेहनत ही वह चाबी है, जिसके जरिए आप सफलता का ताला खोल सकती हैं। लेकिन जरा सोचिए कि आप अपनी लाइफ में सक्सेसफुल होने के लिए कड़ी मेहनत करती हैं। ऑफिस में आप अपना सारा काम समय पर और बेहतर तरीके से पूरा करती हों, लेकिन फिर भी आपको कोई भी नोटिस न करता हो तो। यकीनन आपको बुरा ही नहीं लगेगा। आज के समय में अगर आपको सफल होना है तो यह जरूरी है कि आप हार्ड वर्क के साथ-साथ स्मार्ट वर्क भी करें।

अगर आप सिर्फ मेहनत और ईमानदारी से अपना काम करती हैं और उसे कोई नोटिस ही नहीं करता तो आपके लिए सफलता प्राप्त करना बेहद कठिन हो जाएगा। इसलिए मेहनत करने के साथ-साथ आपको इस बात का भी ख्याल रखना है कि ऑफिस में आपके सहकर्मी खासतौर से आपके सीनियर्स व बॉस आपके गुणों व काम की अहमियत को पहचानें, क्योंकि जब उन्हें ऐसा महसूस होगा कि आप उनके ऑफिस के लिए बेहद जरूरी हैं, तभी वह आपको महत्व देंगे और आपके लिए सफल होने के रास्ते बनेंगे। तो चलिए आज हम आपको ऐसी कुछ आसान ट्रिक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप ऑफिस में सबकी नजरों में आ सकती हैं और ऑफिस वर्कर्स आपके काम को तवज्जो देने लगेंगे

नए प्रोजेक्ट में हों शामिल

अक्सर देखने में आता है कि जिन स्किल्ड लोगों को ऑफिस में नोटिस नहीं किया जाता, उसकी मुख्य वजह होती है कि उन्हें काम करने की सही स्ट्रैटेजी के बारे में नहीं पता होता। मसलन, अगर कंपनी के पास कोई नया प्रोजेक्ट आया है तो आप आगे बढ़कर उसकी जिम्मेदारी मांगे। अमूमन ऐसे लोग पीछे रहते हैं और जब किसी दूसरे को प्रोजेक्ट लीडर बना दिया जाता है तो आप सिर्फ मेहनत ही करती रह जाती हैं और आपकी मेहनत का सारा क्रेडिट प्रोजेक्ट लीडर को मिल जाता है।

बोलें बिजनेस मीटिंग्स में

जो महिलाएं ऑफिस में कड़ी मेहनत करती हैं, उन्हें कंपनी को बेहतर बनाने के कुछ यूनिक आईडियाज के बारे में पता होता है, लेकिन फिर भी वह बिजनेस मीटिंग्स में नहीं बोलतीं। कई बार वह सोचती हैं कि ना जाने उनका आईडिया दूसरों को कैसा लगे और कई बार वह घबराहट और डर के कारण चुप रहना ही पसंद करती हैं। जिसके कारण किसी का ध्यान उन पर नहीं जाता। इसलिए बिजनेस मीटिंग्स में बोलने की कोशिश करें। भले ही आपका आईडिया किसी को पसंद न आए लेकिन जब आप अपने विचार सभी के समक्ष पेश करती हैं तो इससे लोग आपको नोटिस करते हैं। साथ ही इससे उन्हें यह भी पता चलता है कि आप अपने ऑफिस रिस्पान्सिबिलिटी से अलग भी कंपनी को बेहतर बनाने के बारे में सोचती हैं।

ऑफिस पॉलिटिक्स से रहें दूर

ऑफिस में अगर आपको अपनी अच्छी इमेज बनानी है तो कभी भी ऑफिस पॉलिटिक्स का हिस्सा न बनें। इससे कुछ समय के लिए आपको भले ही फायदा मिल जाए, लेकिन लॉन्ग टर्म में यह आपकी इमेज को खराब करेगा और इससे आपके करियर को नुकसान ही पहुंचेगा। इसलिए कभी भी ऑफिस में किसी ग्रुप का हिस्सा न बनें। कोशिश करें कि आपके रिश्ते ऑफिस में सभी से बेहतर हों।

सोशल मीडिया का सहारा

यह भी ऑफिस में नोटिस किए जाने का एक अच्छा आईडिया है। आप अपने सोशल अकांउट से अपने ऑफिस वर्क व अपनी कंपनी के नए प्रोजेक्ट्स के बारे में लोगों को बताएं। साथ ही उनके लिंक्स ऑफिस में अपने सीनियर्स व अन्य सभी के साथ शेयर करें। ऐसा करने से आपके सीनियर्स आपको नोटिस करते हैं। साथ ही वह यह भी देखते हैं कि कंपनी की बेहतरी के लिए आप पर्सनल लेवल पर भी मेहनत कर रही हैं। इसका एक अच्छा रिवर्ट आपको जरूर मिलता है।

नाश्ते में बनाएं पनीर रेसिपीज

पनीर एक ऐसी डिश है, जिसे चाहे किसी भी रूप में खाया जाए, यह उतनी ही डिलिशियस लगती है। आमतौर पर, यह देखने में आता है कि लोग पनीर को या तो सब्जी के रूप में खाना पसंद करते हैं या फिर उसे अपने इवनिंग स्नैक्स का हिस्सा बनाते हैं। जबकि यह एक बेहद ही वर्सेटाइल फूड इंग्रीडिएंट है और इसलिए आपके पास इसके साथ एक्सपेरिमेंट करने के आइडियाज भी कम नहीं है। पनीर को प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत माना जाता है और हर मील में आपको प्रोटीन को जगह अवश्य देनी चाहिए। इसलिए, अगर आप अपने दिन को एक किकस्टार्ट देना चाहती हैं तो ऐसे में ब्रेकफास्ट में पनीर का सेवन करना अच्छा विचार हो सकता है। इतना ही नहीं, आप पनीर के परांठे से अलग भी कई रेसिपीज को अपने ब्रेकफास्ट का हिस्सा बना सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पनीर की कुछ ऐसी रेसिपीज के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें पनीर की मदद से तैयार किया जा सकता है-

पनीर चीज़ टोस्ट

पनीर और चीज़ की मदद से बनने वाले इस टोस्ट को आप हर दिन नाश्ते में बनाना और खाना पसंद करेंगी। इसे बनाना भी बेहद आसान है।

आवश्यक सामग्री

- 2 चम्मच मक्खन
- 1 छोटा चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट
- एक चौथाई कप बारीक कटा प्याज
- एक चौथाई कप बारीक कटी शिमला मिर्च
- स्वादानुसार लाल मिर्च पाउडर
- एक चौथाई छोटा चम्मच गरम मसाला
- एक चौथाई छोटा चम्मच धनिया पाउडर
- 1 कप कद्दूकस किया हुआ पनीर
- नमक
- अन्य सामग्री
- ब्रेड स्लाइस
- 1 कप कद्दूकस किया हुआ मोज़ेरेला चीज़ (रेसिपी)
- रेड चिली फ्लेक्स
- मिक्स हर्ब्स

टोस्ट बनाने का तरीका

- सबसे पहले पनीर को कद्दूकस या क्रम्बल करके एक तरफ रख दें।
- अब एक पैन में 2 चम्मच मक्खन डालकर हल्का गरम करें।
- मक्खन के पिघलने पर इसमें 1 चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें और हल्का भूनें।
- अब इसमें प्याज और शिमला मिर्च डालें और अच्छी तरह मिलाएं।
- अब इसमें लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और गरम मसाला पाउडर डालकर मिक्स करते हुए चलाएं।
- अब इसमें कद्दूकस पनीर डालकर अच्छी तरह मिलाएं और फिर आंच बंद कर दें।
- अंत में स्वादानुसार नमक डालकर एक बार फिर से मिक्स करें।
- अब बारी आती है सैंडविच बनाने की। इसके लिए 1 कप मोजरेला चीज को कद्दूकस कर लें और एक तरफ रख दें।
- ब्रेड स्लाइस लें। एक भारी तवे पर थोड़ा सा मक्खन या तेल फैलाएं। इस दौरान आंच को लो रखें।
- फिर उस पर ब्रेड के टुकड़े रख दें। आप तवा या पैन के आकार के आधार पर एक बार में 2 से 3 ब्रेड स्लाइस रख सकते हैं।
- ब्रेड स्लाइस को हल्का टोस्ट करें और फिर पलट दें।
- अब पनीर की स्टफिंग ब्रेड स्लाइस के ऊपर डालें।
- साथ ही, कसा हुआ चीज़ डालें।
- आंच को सबसे कम रखें। पनीर चीज टोस्ट स्लाइस पर ढक्कन लगाकर उसे कवर कर दें।
- चीज़ के पिघलने और ब्रेड स्लाइस को अच्छी तरह से भूनने तक पकाएं।
- एक स्पैटुला की मदद से टोस्ट को तवे से हटाएं।
- अब आप इसे सर्विंग प्लेट पर रखें।
- आप इसे रेड चिली फ्लेक्स और हर्ब्स स्प्रिंकल करके सर्व करें।

पनीर पैटीज़

पनीर पैटीज़ एक आसान और झटपट बनने वाला नाश्ता हैजिसे आप पनीर के अलावा उबले हुए आलू, कॉर्नफ्लोर और कुछ मसालों के साथ आसानी से बना सकती हैं।

आवश्यक सामग्री

- 4 से 5 आलू उबले हुए
- पनीर
- आधा छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर
- 1 बड़ा चम्मच कॉर्नफ्लोर
- आवश्यकतानुसार नमक
- आवश्यकतानुसार तेल या घी

बनाने का तरीका

- सबसे पहले आलूओं को अच्छी तरह धोकर थोड़ा नमक और पानी के साथ उबालें।
- अब आलू को ठंडा होने दें। फिर इन्हें छीलकर एक बाउल में आलू मैशर या फोर्क से मैश कर लें।
- अब पनीर को कद्दूकस कर लें और मसले हुए आलू में मिला दें।
- साथ ही काली मिर्च पाउडर, कॉर्नफ्लोर और आवश्यकतानुसार नमक डालें।
- मिश्रण को अच्छी तरह मिला लें। इसमें कोई गांठ नहीं होनी चाहिए।
- अब इस मिश्रण का कुछ हिस्सा अपने हाथों में लें। उन्हें बॉल्स में आकार दें और फिर उन्हें चपटा करें।
- इसी तरह सारे मिश्रण की पनीर पैटी (रेसिपी) बनाकर तैयार कर लें।
- अब एक तवा गरम करें। तवा गरम हो जाने पर इसमें 2 से 3 टेबल स्पून तेल या घी डाल कर चमचे या चमचे से फैला दीजिए।
- पैटीज़ को तवे पर रखें और मीडियम-लो से मीडियम आंच पर पनीर पैटी को सुनहरा भूरा होने तक तलें।
- एक तरफ से सुनहरा होने पर इन्हें पलट दें और दूसरी तरफ से भी सुनहरा और करारे होने तक तलें।
- तली हुई टिक्की को अब्सॉर्बेंट नैपकिन पर रखें ताकि अतिरिक्त तेल सोख ले।
- पनीर पैटीज़ को टोमेटो कैचप या पुदीने की चटनी या धनिये की चटनी या इमली की चटनी के साथ परोसें।

इस तरह कैरी करें बेल्ट बैग, दिखेंगी बेहद स्टाइलिश

बैग्स हर महिला की एसेसरीज का एक हिस्सा है। आपको मार्केट में कई डिफरेंट स्टाइल के बैग्स मिल जाएंगे। इनमें छोटे पार्टीवियर क्लच से लेकर ओवरसाइज्ड हैंगबैग जैसी एक वाइड रेंज मौजूद हैं। अमूमन देखने में आता है कि महिलाएं अलग-अलग ओकेजन के अनुसार, डिफरेंट स्टाइल बैग खरीदती हैं।

यकीनन डिफरेंट लुक पाने का बैग्स एक अच्छा ऑप्शन है। लेकिन एक सच यह भी है कि इस तरह आपके काफी सारे पैसे खर्च हो जाते हैं। वहीं दूसरी ओर आपके पास बैग्स का एक बड़ा कलेक्शन हो जाता है, तो फिर आपको उनकी केयर करने व उन्हें रखने के लिए अच्छे खासे स्पेस की जरूरत होती है। अगर आप ऐसा नहीं करना चाहतीं तो इसका दूसरा विकल्प है कि आप एक ही बैग को अलग-अलग अंदाज में कैरी करें और एक डिफरेंट लुक पाएं। ऐसा ही एक बैग है बेल्ट बैग। बेल्ट बैग स्टाइल करने के कई तरीके हैं। बस यह आपके उपर निर्भर करता है कि आप उसे किस ओकेजन के लिए कैरी करना चाहती हैं। तो चलिए जानते हैं कि बेल्ट बैग को अलग-अलग अंदाज में किस तरह कैरी किया जाए-

क्रॉस बॉडी स्टाइल

बेल्ट बैग को अगर एक डिफरेंट स्टाइल में कैरी करने की बात हो तो उसे क्रॉस बॉडी बैग की तरह कैरी करना यकीनन एक अच्छा आईडिया है। यह आपको एक फंकी लुक देता है। क्रॉस बॉडी बैग की तरह बेल्ट बैग को पहनते समय आप इसे वन शोल्डर पर क्रॉस करते हुए पहना जाता है। अगर आप टी-शर्ट विद जींस या फिर वेस्टर्न वियर पहन रही हैं तो ऐसे में बेल्ट बैग को क्रॉस बॉडी स्टाइल में कैरी कर सकती हैं।

शोल्डर बैग स्टाइल

यह बेल्ट बैग को कैरी करने का एक सिंपल तरीका है, लेकिन यह आपको एक फेमिनिन लुक देता है। इस तरह से आप बेल्ट बैग को केजुअल से लेकर ऑफिस तक कैरी कर सकती हैं। इस स्टाइल में एक कंधे पर बैग को कैरी किया जाता है। यह कुछ ऐसे ही है, जैसे आप कॉलेज में अपने रेग्युलर बैग को वन शोल्डर पर कैरी करती थीं। अगर आप कॉलेज गोइंग गर्ल हैं तो ऐसे में आप बेल्ट बैग को शोल्डर बैग स्टाइल में कैरी कर सकती हैं।

क्लच स्टाइल

अगर आप कहीं बाहर पार्टी में जा रही हैं या फिर डेटाइम में डेट का मन बनाया है तो ऐसे में आप बेल्ट बैग को अपनी वेस्ट पर पहनने की जगह क्लच स्टाइल में कैरी करें। इस तरह अगर आप बेल्ट बैग कैरी कर रही हैं तो बैग में से बेल्ट को रिमूव कर दें अगर वह रिमूवेबल नहीं है तो भी बेल्ट को एडजेस्ट कर लें ताकि यह देखने में अच्छा लगे। इस तरह अगर आप बेल्ट बैग कैरी कर रही हैं तो यह आपको एक फेमिनिन लुक देगा।

वेस्ट बैग स्टाइल

आमतौर पर बेल्ट बैग को अधिकतर इसी तरह कैरी किया जाता है। इस स्टाइल में आप बेल्ट बैग को अपने वेस्ट पर कैरी करती हैं। अगर आप सुबह रनिंग पर जा रही हैं या फिर एयरपोर्ट लुक में भी इस तरह से वेस्ट बैग को कैरी किया जा सकता है। बेल्ट बैग को वेस्ट बैग स्टाइल में कैरी करते हुए आप कुछ वैरायटीज कर सकती हैं। मसलन, आप बैग को फ्रंट में रखें और बेल्ट आपकी कमर में बैक पर आएगी। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो इसे फ्रंट पर ना करके साइड में बैग को लाएं। इस तरह से वेस्ट बैग देखने में काफी क्लासी लगता है।

खास खबर

शहीद बापू का अपमान , शर्मसार है हिंदुस्तान - रूपेश दुबे

भिलाई। छग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रूपेश दुबे ने छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार पर सीधे आरोप लगाते हुए कहा की शराब से राजस्व के नाम पर आय प्राप्त करने वाली सरकार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के शहादत दिवस 30 जनवरी को भी अब अपमान करने के लिए तूल गई है महात्मा गांधी को भाजपाई विदेश जाकर के उनके सामने नतमस्तक होने का फोटो प्रसारित करते हैं और देश में उनके नाम को विलुप्त करने के लिए सबसे पहले मनरेगा को समाप्त करने का खेल खेला गया जिसके लिए जनांदोलन चरम पर है और अब उनके शहादत दिवस के अवसर पर प्रदेश में शराब दुकान जो पुरातन काल से बंद होती रही हैं उसे बंद करने का आदेश सरकार ने जारी ही नहीं किया है जो सवर्था निंदनीय है साथ ही सरकार के इस रुख से यह स्पष्ट हो गया है कि छत्तीसगढ़ सरकार शराब से आय के लिए किसी भी हद तक जा सकती है वैसे भी राजनांदगांव में शराब दुकान खोलने के लिए सरकार अपने नीति नियमों की जिस प्रकार से धज्जी उड़कर दुकान संचालित करवा रही हैं वह भी अपने आप में सरकार की शराब प्रेम नीति का प्रमाण है अब भविष्य में होली के अवसर में भी शराब दुकानें खुलवाकर रंगो के पर्व को बेरंग करने के लिए सरकार खुली छूट दे दे इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता सरकार की इन्हीं सब कुनीतियों के कारण छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था बद से बदहाल है और अपराधियों के हौसले बुलंद है।

दिल्लीवार कूर्मि क्षत्रिय समाज का 56वां प्रांतीय अधिवेशन 6 से

बालोद। दिल्लीवार कूर्मि क्षत्रिय समाज छत्तीसगढ़ द्वारा 56वां वार्षिक प्रांतीय अधिवेशन एवं युवा खेल महोत्सव का आयोजन 6, 7 एवं 8 फरवरी 2026 को ग्राम देवरी (ख), सर्किल जंजगिरी, जिला बालोद में किया जा रहा है। तीन दिवसीय आयोजन में समाज के युवाओं के लिए खेल प्रतियोगिताएं एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। कार्यक्रम में राजस्व एवं वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा, सांसद भोजराज नाग (कांकेर) एवं विजय बघेल (दुर्ग), जिला पंचायत अध्यक्ष तारिणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं समाज के पदाधिकारी शामिल होंगे। समापन समारोह 8 फरवरी को आयोजित होगा, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं विधायक कुंवर सिंह निषाद सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। युवा खेल महोत्सव के अंतर्गत कबड्डी प्रतियोगिता, मैराथन दौड़, स्व-सहायता समूहों की प्रदर्शनी एवं रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। आयोजन समिति ने समाज के लोगों से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

यूजीसी कानून के विरोध में ब्राह्मण समाज सौपेगा ज्ञापन

दुर्ग। राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज भिलाई दुर्ग द्वारा यूजीसी कानून के विरोध में राष्ट्रपति के नाम 30 जनवरी को दुर्ग जिला प्रशासन कार्यालय में सुबह 11 बजे जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा जाएगा। राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज के महासचिव शशिकांत तिवारी ने समस्त सवर्ण समाज के बंधुओं से निवेदन किया है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचाकर इसे सफल बनाएं।

स्वस्तिक क्लब ने एमसी इलेवन पर जीत दर्ज की पेंथर्स क्लब व मुनलाइट 3-3 गोल की बराबरी पर

स्व. एआर देवांगन स्मृति 7 ए साइड हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिला हॉकी संघ राजनांदगांव और सीनियर मॉर्निंग ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में स्व. ए.आर. देवांगन स्मृति 7 ए साइड हॉकी प्रतियोगिता के तहत आज दूसरे दिन तीन मैच खेला गया जिसके तहत पहला मैच लालबाग विरुद्ध स्वस्तिक क्लब के मध्य खेला गया इस एकतरफे मुक़ाबले में स्वस्तिक क्लब ने लालबाग को 6-2 गोल से पराजित किया स्वास्तिक क्लब की ओर मैच के 4थे और 6वे मिनट में खुशाल यादव ने 2 गोल किया वहीं 8वे मिनट में स्वस्तिक क्लब को पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे शकील अहमद ने गोल में बदलकर कर स्कोर 3-0 पर ला दिया वहीं मैच के 34वे मिनट 38वे मिनट और मिहिर यादव ने लगातार 3 गोल किया लालबाग टीम की ओर से परमजीत और निलेश रजक ने 1-1 गोल किया था। आज का दूसरा मैच एम सी इलेवन विरुद्ध शहीद राधे मोतीपुर के मध्य खेला गया मैच के शुरुवाती समय से ही एम सी इलेवन के खिलाड़ियों ने दबाव बनाते हुए मैच के 9 मिनट में वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी शिवनारायण धकेता ने गोल कर 1-0 गोल की बढ़त बनाई वहीं मैच के 13वे मिनट और 18वे मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे प्रकाश पटेल और अभिनव मिश्रा ने गोल में तब्दील कर स्कोर 3-0 पर ला दिया। मैच के मध्यांतर तक स्कोर 3-0 रहा। मध्यांतर के पश्चात मैच के 34वे मिनट में एम सी इलेवन को पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे टीम के दुर्गेश ने गोल में बदलकर स्कोर 4-0 कर दिया वहीं मैच के 36वे मिनट और 38वे मिनट में युवराज ने 2 गोल कर स्कोर 6-0 पर ल दिया था वहीं मैच के 39 वे मिनट शहीद राधे मोतीपुर को पेनल्टी कार्नर मिला जिसे गुमान साहू ने गोल में बदलकर स्कोर 6-1 पर ला दिया वहीं

मैच के 40वे मिनट में शहीद राधे मोतीपुर टीम के सुमित ने गोल कर स्कोर 6-2 पर ला दिया। किंतु एम सी इलेवन के शानदार खेल के प्रदर्शन के चलते मैच को 6-2 गोल से जीत हासिल की।

आज का तीसरा मैच पैंथर्स क्लब विरुद्ध मुनलाइट क्लब के मध्य खेला गया मैच में दोनों ही टीमों के मध्य रोमांचक मुकाबला दशर्कों को देखने को मिला दोनों ही टीम गोल करने के प्रयास में लगी रही मैच के 10वे मिनट में मुनलाइट टीम को पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे किशोर धीवर ने गोल कर 1-0 गोल की बढ़त बनाई थी किंतु मैच के 12वे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे समीर यादव ने गोल में तब्दील 1-1 गोल की बराबरी पर ल दिया पैंथर्स क्लब के खिलाड़ियों ने अपने खेल में बदलाव करते हुए नई रणनीति अपनाई और मैच के 20 वे मिनट में समीर यादव ने गोल कर 2-1 का स्कोर कर लिया वहीं मैच के 23वे मिनट में पैंथर्स क्लब के रेहान खान ने गोल कर 3-1 बढ़त बनाई हुई थी किंतु मुन लाइट के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मैच के 28वे मिनट और 29वे मिनट में तरुण यादव और हेमंत देवांगन ने गोल कर 3-3 गोल की बराबरी पर ला खड़ा किया और यह मैच 3-3 गोल की बराबरी पर रही।

मैच के शुरुवात के पूर्व उपस्थित सभी अतिथियों ने मैदान के बीच पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर शुभकामनाएं दी। आज खेले गए पहले मैच में स्वस्तिक क्लब के मिहिर यादव को दूसरे मैच में एम सी इलेवन के कमल चौरसिया को तीसरे मैच में मुनलाइट टीम के हेमंत देवांगन को उपस्थित अतिथियों द्वारा मैन ऑफ द मैच से पुरस्कृत किया गया। आज के मैच में अभिनव मिश्रा, खेमराज सिन्हा, शकील अहमद, तौफीक अहमद, कृष्ण यादव सुखदेव निर्मलकर, किशोर धीवर ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

मैच में प्रमुख रूप से फिरोज अंसारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ हॉकी, शिवनारायण धकेता सचिव जिला हॉकी संघ, भूषण साव, नीलमचंद जैन, छोटे लाल रामटेके पार्षद, सुश्री आशा थॉमस कोषाध्यक्ष छत्तीसगढ़ हॉकी जिला हॉकी संघ के कोषाध्यक्ष, ज्ञानचंद जैन, प्रिंस भाटिया, मृणाल चौबे, प्रकाश शर्मा, अजय झा, दीपक यादव, चंदन भारतद्वाज, भागवत यादव, महेंद्र सिंह, संतोष चौकेंद्र, गुणवंत पटेल, दिग्विजय श्रीवास्तव, शब्बीर हैदरी, परमजीत सिंह, खुशाल यादव, अशोक देवांगन, आयोजन सचिव आशीष सिन्हा, अशोक नागवंशी, महबूब शरीफ, सुरेंद्र साहू, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

विद्यार्थियों को गुड टच एवं बेड टच व डिजिटल सुरक्षा की दी गई जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

राजनांदगांव। शासकीय प्राथमिक शाला, ग्राम मलपुरी, जिला राजनांदगांव रक्षा टीम द्वारा विद्याथियों को गुड टच एवं बेड टच व डिजिटल सुरक्षा की दी गई जानकारी । 29 जनवरी को पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन पर शासकीय प्राथमिक शाला ग्राम मलपुरी, जिला राजनांदगांव में अध्ययनरत कक्षा पहली से पाँचवीं तक के छात्रझछात्राओं के लिए रक्षा टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान उप. निरीक्षक शारदा बंजारे, महिला आरक्षक रीनू मेश्राम, कौशिल्या साहू , आरक्षक अमित जाटवर एवं आरक्षक वाहन चालक शेषनारायण सिंहा

द्वारा बच्चों को गुड टच एवं बेड टच के बारे में सरल एवं सहज भाषा में समझाया गया। साथ ही बच्चों को स्कूल में लगे पॉक्सो बॉक्स का उपयोग कब और कैसे करना है , किसी भी प्रकार की असहज स्थिति में सही कदम उठाने, भरोसेमंद व्यक्ति को जानकारी देने तथा साहसपूर्वक अपनी बात रखने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त बच्चों को मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में भी जानकारी दी गई तथा डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के उपाय बताए गए।

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के शिक्षकझशिक्षिकाओं को अभिव्यक्ति ऐप डाउनलोड कराकर उसके उपयोग एवं महत्व की जानकारी दी गई इस जागरूकता कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक स्टाफ सहित कुल लगभग 50 से अधिक छात्रझछात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाना, सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित एवं सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना रहा।

जगन्नाथ मंदिर में स्वाद, संगीत व संस्कृति का संगम

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

ग्रीन सिटी स्थित उत्कल संस्कर्तिक परिषद जगनाथ मंदिर, सेक्टर-6 परिसर में उत्कल सांस्कृतिक महिला मंडल ने पाक उत्सव मेला का आयोजन किया।

मेले में विभिन्न प्रांतों से जुड़ी महिलाओं ने अपने अपने हाथों से बनाए पारंपरिक अल्पाहार, व्यंजन और जलपान स्टॉल के माध्यम से प्रस्तुत किए। ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उत्तर भारत सहित कई क्षेत्रों के स्वादिष्ट पकवानों ने लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया। हर उम्र के लोगों ने व्यंजनों का स्वाद लिया।

मंच पर पारंपरिक और आधुनिक नृत्य, संगीत और समूह प्रस्तुतियों ने माहौल को नीवंत चना दिया। बन्नों से लेकर बुजुर्गों तक सभी दर्शक तालियों के साथ कलाकारों का उत्साह बढ़ाते नजर आए। यह आयोजन ने गणतंत्र दिवस के पावन अवसर को और भी खास बना दिया।

सेल को लगातार तीसरी बार मिला 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' सर्टिफिकेशन

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

भारत की महारत्न और सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी स्टील उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने फरवरी 2026 से फरवरी 2027 की अवधि के लिए प्रतिष्ठित 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' प्रमाणन हासिल किया है। सेल ने लगातार तीसरी बार यह उपलब्धि 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' संस्थान (भारत) द्वारा किए गए कंपनी-व्यापी मूल्यांकन के बाद प्राप्त की है। यह मान्यता कार्यस्थल की एक ऐसी संस्कृति को संजोने की सेल की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है जो

आधुनिक, चुस्त और अपने कमर्चारियों के पेशेवर व व्यक्तिगत विकास के अनुरूप है।

अपने TRUST INDEX © स्कोर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज करते हुए - जो मूल्यांकन के दौरान सकारात्मक प्रतिक्रिया देने वाले कमर्चारियों के प्रतिशत को दर्शाता है - सेल ने संस्थान द्वारा आयोजित एक व्यापक सर्वेक्षण के आधार पर यह प्रमाणन अर्जित किया। कार्यस्थल संस्कृति पर वैश्विक स्तर की विशेषज्ञ संस्था 'ग्रेट प्लेस टू वर्क', असाधारण कमर्चारी अनुभव प्रदान करने वाले संगठनों को कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया के जरिये सम्मानित करती है।

सेल लगातार प्रगतिशील मानव संसाधन (एचआर) पहलों को लागू कर रहा है, जिनमें नवीनतम 'सेल दर्पण' है, जो पारदर्शी और प्रदर्शन-आधारित कार्यस्थल की दिशा में एक बड़ा कदम है, जहाँ मूल्यांकन और लक्ष्य-निर्धारण वस्तुनिष्ठता को दर्शाते हैं और संगठनात्मक लक्ष्यों के साथ मेल खाते हैं। साथ ही, यह कमर्चारियों को अपने स्वयं के विकास की जिम्मेदारी लेने के लिए सशक्त बनाता है। एक अन्य प्रमुख पहल के तहत, सेल अग्रणी संस्थानों जैसे भारतीय प्रबंध संस्थान कोझिकोड, बैंगलोर, जम्मू, रायपुर, रांची और छफ्क्क व अरउकजैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ हस्ताक्षरित एमओयू के माध्यम से विशेषज्ञों के लिए मार्केटिंग और एचआर जैसे क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम और डोमेन-परिवर्तन के अवसर प्रदान कर रहा है।

इस अवसर पर सेल के सीएमडी अमरेंदु प्रकाश ने कहा, "हम सभी के लिए लगातार तीसरे वर्ष 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' प्रमाणन प्राप्त करना गर्व का क्षण है। यह मान्यता उस भरोसे का प्रतीक है जो हमारे कमर्चारी संगठन में रखते हैं और उस संस्कृति का प्रतिबिंब है जिसे हम सामूहिक रूप से बना रहे हैं।"

रायपुर में राम रसायन की अमृत धारा से भक्तिमय हुआ पुरानी बस्ती का गोपाल मंदिर, उमड़ा जनसैलाब

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रभु श्रीराम की भक्ति, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना से ओतप्रोत राम रसायन कार्यक्रम का आयोजन रायपुर की पुरानी बस्ती स्थित गोपाल मंदिर, बनियापारा में अत्यंत श्रद्धा और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन पूज्य आलोक पांडे की माताजी स्वर्गीय श्रीमती सावित्री देवी पांडे के वार्षिक श्राद्ध की पावन स्मृति में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, गणमान्य नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में देश के प्रसिद्ध पत्रकार, आध्यात्मिक चिंतक एवं प्रखर वक्ता संदीप अखिल ने राम रसायन की अमृत धारा प्रवाहित की। उन्होंने अपने ओजस्वी और भावपूर्ण कथन के माध्यम से

रामकथा के गूढ़ रहस्यों को सरल भाषा में प्रस्तुत करते हुए जीवन में धर्म, करुणा, कर्तव्य और सेवा के महत्व को रेखांकित किया। कथा श्रवण के दौरान पूरा वातावरण भक्तिरस में डूबा रहा और श्रद्धालु भाव-विभोर होकर प्रभु श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लेते नजर आए।

यह भव्य धार्मिक आयोजन चतुर्वर्णार्य धर्म स्तम्भ काउंसिल के तत्वावधान में तथा अखिल भारतीय हिन्दू परिषद के प्रदेश अध्यक्ष आलोक पांडे द्वारा कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल दिवंगत आत्मा की शांति हेतु श्रद्धांजलि अर्पित करना था, बल्कि समाज में आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना भी रहा।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से चंद्रशेखर शुक्ला, डॉक्टर सौरभ निवाड़ी, प्रदीप सिंह ठाकुर, जीत शर्मा, अखिल भारतीय हिन्दू परिषद के संगठन महामंत्री एवं वरिष्ठ पत्रकार गणेश तिवारी, मयंक हड़प, उत्कर्ष सिंह गारेवाल सहित अनेक सामाजिक, धार्मिक एवं पत्रकार जगत से जुड़े गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इनके साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन भी कार्यक्रम में शामिल हुए और कथा का लाभ लिया।

समारोह के दौरान वक्ताओं ने स्व. सावित्री देवी पांडे के धार्मिक, संस्कारवान एवं प्रेरणादायी जीवन पर प्रकाश डालते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति व परंपराओं से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

जोन आयुक्त ने खुर्सीपार क्षेत्र का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई जोन-4 शिवाजी नगर अंतर्गत आई.टी.आई. ग्राउण्ड, खेल मैदान, पेयजल, सड़क एवं सफाई व्यवस्था का जायजा जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे लिये। प्रस्तावित निर्माण कार्य को जल्द से जल्द प्रांरभ कराने एवं वार्डो के सफाई व्यवस्था को बेहतर कराने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार जोन आयुक्त अपनी टीम के साथ खुर्सीपार क्षेत्र का निरीक्षण करने पहुंचे। नेशनल हाईवे के किनारे आई.टी.आई. ग्राउण्ड में निर्माणाधीन मंच का निरीक्षण किये। जिससे वहां कार्यक्रम, योगा एवं खिलाड़ियो के काम आ सके। आई.टी.आई के बगल में खेल मैदान का

अवलोकन किया गया। मैदान में स्टेडियम निर्माण प्रस्तावित है, उक्त स्थल का जायजा लेते हुए चर्चा किया गया। वार्ड 41 आदिवासी नगर एवं वार्ड 42 गौतम नगर में पेयजल, पाईप लाईन, सड़क एवं साफ-सफाई का अवलोकन किया गया है। पेयजल व्यवस्था में सुधार हेतु किए गए कार्य का निरीक्षण बारीकी से किया गया ।

छावनी स्थित निगम स्वामित्व के भूखंड का अवलोकन शासकीय हित या कार्यो के उद्देश्य से आगामी समय में उपयोग करने हेतु किया गया । निरीक्षण के दौरान उप अभियंता साहू, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, राजस्व निरीक्षक विजेंद्र परिहार, वेंकट सहित अन्य कमर्चारी उपस्थित रहे।

बैठक सरल जीएसटी, सशक्त व्यापारी—समन्वय से विकास की राह

संवाद से समाधान की ओर—प्रशासन और व्यापार की साझा पहल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई में जीएसटी समन्वय बैठक का सफल आयोजन किया गया। बैठक में राज्य एवं केंद्रीय जीएसटी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्पेशल कमिश्नर, राज्य जीएसटी श्रीमती तरन्नुम वर्मा द्वारा की गई।

बैठक में संयुक्त आयुक्त, केंद्रीय जीएसटी राधे कृष्ण, संयुक्त आयुक्त, राज्य कर (दुर्ग संभाग) श्रीमती गुलापा पुरशेठ तथा संयुक्त आयुक्त, राज्य कर (अपील) सी. आर. महालिंगे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने व्यापारियों की ओर से जीएसटी से संबंधित विभिन्न व्यावहारिक समस्याओं को

प्रमुखता से उठाया। अजय भसीन ने अधिकारियों को अवगत कराया कि नोटिस प्रक्रिया, जीएसटी पोर्टल से जुड़ी कठिनाइयों तथा पुराने प्रकरणों के कारण व्यापारियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अजय भसीन ने यह भी कहा कि विभाग और व्यापारियों के बीच बेहतर समन्वय से ही कर व्यवस्था को सरल और पारदर्शी बनाया जा सकता है। बैठक के दौरान अजय भसीन ने व्यापारिक समुदाय की अपेक्षाओं और सुझावों को विस्तार से रखा।

स्वावलंबी भारत अभियान के छत्तीसगढ़ प्रांत सह-समन्वयक संजय चौबे ने भी बैठक में महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया। उन्होंने कहा कि जो नोटिस व्यापारियों को डाक (पोस्ट) के माध्यम से भेजी जाती है, वह संबंधित जीएसटी पोर्टल पर भी अनिवार्य रूप से दिखाई देनी चाहिए, विशेषकर उन मामलों में जहाँ संबंधित वर्षों का आदेश पहले ही पारित हो चुका है तथा किसी प्रकार की कोई वसूली (रिकवरी) राशि शेष नहीं है। इससे व्यापारियों को अनावश्यक भ्रम और मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

बैठक में भिलाई चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा भी उपस्थित रहे। उन्होंने इस प्रकार की समन्वय बैठकों को व्यापार एवं उद्योग के हित में अत्यंत उपयोगी बताया तथा इसे विभाग और व्यापारियों के बीच विश्वास बढ़ाने वाला कदम बताया।

अधिकारियों ने अजय भसीन सहित सभी व्यापारिक प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए बिंदुओं को गंभीरता से सुना और नियमों के अंतर्गत यथासंभव समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि विभाग एवं व्यापारिक संगठनों के बीच निरंतर संवाद से जीएसटी प्रणाली को और अधिक सरल, पारदर्शी एवं व्यापारी-अनुकूल बनाया जाएगा।

बैठक में विभिन्न व्यापारिक संस्थानों के प्रतिनिधि एवं अनेक व्यापारिक संघों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहादर्पूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और इसे व्यापार-उद्योग हित में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सराहा गया।

इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन , भिलाई इकाई अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा, संजय चौबे प्रांत सह समन्वयक स्वावलंबी भारत अभियान छत्तीसगढ़ प्रांत, श्रीमती सुमन कन्नोजे, श्रीमती सविता शर्मा, टीना सतपुते, राकेश मल्होत्रा, रितेश अग्रवाल, मनोज आहूजा, रामराव, ओमप्रकाश शर्मा, दिलीप केशरवानी, मनोहर कृष्णानी, घनश्याम दास, सुनील मिश्रा, सतीश सहित अन्य व्यापारी शामिल रहे।

60 वार्डो से हटायी जाएंगी नालियों से होकर गुजरने वाली पाइपलाइने

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में पेयजल आपूर्ति सुचारू करने व जनता को शुद्ध पानी देने लगातार प्रयास जारी है और आवश्यकतानुसार ठोस कदम भी उठाए जा रहे है।

इसी क्रम में आज जल कार्य प्रभारी लीना दिनेश देवांगन कि अध्यक्षता में विभागीय समिति के सदस्यों की बैठक आहुति की गई। शहर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में नालियों से होकर गुजर रही पाइपलाइन को हटाने की दिशा में बड़ी पहल करते हुए ऐसे क्षेत्र के पाईप लाईन को चिन्हांकित कर उसे हटाने ठोस प्रस्ताव बनाकर महापौर परिषद के जरिए शासन को भेजने का निर्णय लिया गया।

इस संबंध में लीना दिनेश देवांगन प्रभारी जलकार्य समिति बताया कि इसके लिए पाषर्दो व नागरिकों के सहयोग से विस्तृत जानकारी लेकर ही ठोस प्रस्ताव तैयार कराया जाएगा शहर के कई वार्डों में पाइपलाइन के नालियों से गुजरने के कारण जलभराव, गंदगी, पाइपलाइन क्षति एवं दुर्घटना की संभावनाएं बनी रहती हैं। इन्हें ध्यान में रखते हुए पाइपलाइन को हटाने अथवा वैकल्पिक सुरक्षित व्यवस्था करने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

आयोजित विभागीय समिति की बैठक में शहर की जलापूर्ति व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि शहर क्षेत्र के 60 वार्डों में नालियों से होकर गुजर रही पाइपलाइन को हटाने हेतु राज्य शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा। बैठक में गंजपारा पानी टंकी की सुरक्षा, टैंकर चालकों की मांग, पन्ना डेयरी के पास मोटर पंप बदलने, कुष्ठ आश्रम एवं शिवनगर क्षेत्र में बोरिंग पर चर्चा की गई।

डॉक्टर संजीव शुक्ला ने जारी किया आदेश, नशे पर फुल स्टॉप, रायपुर में कानून का राज

नाम में संजीव, फैसले में साहस

प्रशासनिक हलकों में इस फैसले को 'शुक्ला मॉडल' कहा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, कमिश्नर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अब हर थाना क्षेत्र में विशेष निगरानी और नियमित जांच अभियान चलाए जाएंगे।

कमिश्नरेट सिस्टम की पहली बड़ी जीत

पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू होने के बाद यह पहला बड़ा और ठोस फैसला माना जा रहा है। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि नई व्यवस्था केवल नाम की नहीं, बल्कि एक्शन की है।

'शुक्ला स्ट्राइक' ऑन ड्रग्स
पहला आदेश – नशे पर हमला
पहला संदेश – जीरो टॉलरेंस
पहला लक्ष्य – युवा सुरक्षा
पहला मिशन – नशामुक्त रायपुर

ड्रग नेटवर्क में मची खलबली

ड्रग नेटवर्क में मची खलबली आदेश जारी होते ही नशे के कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। कई दुकानों से प्रतिबंधित सामान हटाया गया है और अवैध सप्लाई चैन पर भी असर पड़ा है। पुलिस अब गुप्त सूचनाओं के आधार पर लगातार कार्रवाई कर रही है।

29 मार्च तक रहेगा हाई अलर्ट

यह आदेश 29 मार्च 2026 तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान– लगातार चेकिंग, औचक छापेमारी, विशेष निगरानी टीम, शिकायतों पर त्वरित कारर्वाई की व्यवस्था की गई है। उल्लंघन करने वालों पर धारा 223 के तहत सख्त कारर्वाई होगी।

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी में पुलिस कमिश्नरेट लागू होते ही पुलिस कमिश्नर डॉक्टर संजीव शुक्ला ने नशे के खिलाफ निर्णायक जंग का ऐलान कर दिया है। धारा 163 इठरर के तहत जारी पहले ही आदेश में रोलिंग पेपर, गोगो स्मोकिंग कोन और पर्फेक्ट रोल की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर उन्होंने साफ संदेश दे दिया है–अब रायपुर में नशा नहीं, कानून चलेगा। यह फैसला युवाओं के भविष्य की रक्षा और शहर को सुरक्षित बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

युवाओं के जहर पर सीधा प्रहार यह की पुलिस के मुताबिक बीते महीनों में नाबालिगों और युवाओं में नशे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी थी। पान ठेलों और दुकानों से आसानी से मिलने वाला यह सामान उन्हें अपराध और बर्बादी की राह पर धकेल रहा था। कमिश्नर डॉक्टर शुक्ला ने इसी खतरे को भांपते हुए बिना देर किए सख्त कारर्वाई का रास्ता चुना।

जनता से अपील

पुलिस कमिश्नर डॉक्टर संजीव शुक्ला ने नागरिकों से अपील की है कि नशे के खिलाफ इस अभियान में सहयोग करें और कहीं भी अवैध बिक्री की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि 'यह लड़ाई सिर्फ पुलिस की नहीं, पूरे समाज की है।'

खास खबर

नकली दवा घोटाले में अधिकारी की मिलीभगत के खिलाफ ठरवक का बड़ा एक्शन, EOW और स्वास्थ्य मंत्री से की कड़ी कारर्वाई की मांग

रायपुर। नकली दवाओं के गंभीर प्रकरण में असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर संजय नेताम द्वारा आरोपी दवा व्यापारी से गुप्त बैठक किए जाने की खबर सामने आने के बाद ठरवकने इस पूरे मामले को लेकर आज सख्त रुख अपनाते हुए शासन-प्रशासन के समक्ष जोरदार तरीके से शिकायत दर्ज कराई।

शांतनू के प्रतिनिधिमंडल ने आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (EOW) के DIG गोवर्धन ठाकुर से मुलाकात कर उन्हें पूरे घटनाक्रम से विस्तारपूर्वक अवगत कराया तथा भ्रष्टाचार, जांच में हस्तक्षेप, आरोपी से सांठगांठ और आम जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ जैसे गंभीर बिंदुओं को रखते हुए औपचारिक सौंपा,ज्ञापन के माध्यम से यह मांग की गई कि असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर संजय नेताम की भूमिका की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए, उनकी चल-अचल संपत्तियों की जांच हो, मोबाइल फोन जब्त कर डिजिटल फॉरेंसिक परीक्षण कराया जाए, बैंक खातों के लेन-देन की जांच की जाए तथा साक्ष्यों से छेड़छाड़ रोकने के लिए उन्हें तत्काल प्रभाव से सेवा से हटाया जाए। इस पर DIG गोवर्धन ठाकुर ने मामले की गंभीरता को स्वीकार करते हुए जांच कर उचित कारर्वाई का आश्वासन दिया।

इसके पश्चात शान्तनु झा के सभी कार्यकर्ता छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जसवाल के निवास पहुंचे और वहां भी पूरे प्रकरण को लेकर शिकायत दर्ज कराई। संगठन ने स्पष्ट रूप से कहा कि नकली दवाओं जैसे संवेदनशील अपराध में यदि जिम्मेदार अधिकारी ही आरोपियों को संरक्षण देंगे तो यह सीधे आम नागरिकों के जीवन के साथ खिलवाड़ है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शान्तनु झा ने चेतावनी दी कि यदि इस मामले में दोषियों के विरुद्ध शीघ्र और कठोर कारर्वाई नहीं की गई तो संगठन जनहित में सड़क की लड़ाई लड़ने को बाध्य होगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। आज के इस कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष शान्तनु झा के नेतृत्व में प्रदेश महासचिव निखिल बघेल, महामंत्री सूरज साहू, उपाध्यक्ष भोजराज, विमल साहू, अभिनव सोनकर, अथर्व, नवीन, अनिल सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

टैक्स नहीं भरने पर कटे गए नल कनेक्शन

दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा बकाया कर वसूली को लेकर लगातार सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। वॉर्ड नंबर 28 में सोहन सिंह/तुलसा सिंह द्वारा लंबे समय से 1,34,807 रुपये का टैक्स जमा नहीं किए जाने पर उनके परिसर के दो नल कनेक्शन विन्छेदित किए गए। इसी वॉर्ड में पुष्पा देवी/प्रताप सूर्यवंशी के यहां भी 53,349 रुपये बकाया टैक्स नहीं चुकाने पर एक नल कनेक्शन काटा गया। कारर्वाई के दबाव में वॉर्ड 28 के ही कृपाल सिंह ने मौके पर 14,872 रुपये टैक्स राशि जमा की। वहीं वॉर्ड नंबर 27 में सरस्वती त्रिपाली ने नल कनेक्शन विच्छेदन की कारर्वाई से बचने के लिए 23,497 रुपये का भुगतान किया। इसी वॉर्ड में संजय ताम्रकार ने भी 15,673 रुपये टैक्स राशि निगम में जमा की।

चतुर्थ दीक्षांत समारोह में 1536 छात्रों को स्नातक, स्नातकोत्तर व पीएचडी दी गई उपाधि

दीक्षांत समारोह केवल पढ़ाई पूरी करने का अवसर नही , जिम्मेदारियों भरी यात्रा की शुरूआत है - डेका

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग,दाऊ वासुदेव चन्द्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय दुर्ग के चतुर्थ दीक्षांत समारोह आज विश्वविद्यालय परिसर में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका की गरिमामयी मौजूदगी में संपन्न हुई। समारोह में 1536 छात्रों को पशुचिकित्सा एवं पशुपालन, दुग्ध प्रौद्योगिकी एवं मात्स्यिकी शंकाय में स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पीएचडी उपाधि प्रदान की गई। 45 उपाधि धारकों को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक तथा पशुचिकित्सा एवं पशुपालन में 08 स्नातक उपाधि धारकों को पंडित तीरथ प्रसाद मिश्रा मेमोरियल स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल श्री डेका ने अपने करकमलों से विद्यार्थियों को उपाधि पत्रक एवं स्वर्ण पदक प्रदान किया। समारोह में प्रदेश के पशुधन विकास, मछली पालन, कृषि विकास एवं किसान कल्याण एवं जैव प्रौद्योगिकी तथा आदिम जाति कल्याण मंत्री रामविचार नेताम विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। छ.ग. राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर और अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा भी मौजूद थे।

राज्यपाल श्री डेका ने विश्वविद्यालय द्वारा संक्रामक रोगों की रोकथाम और नस्ल सुधार के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने डेयरी प्रौद्योगिकी के छात्रों को मिलावट की समस्या के प्रति सचेत करते हुए गुणवत्ता पर ध्यान देने कहा, ताकि भारतीय उत्पाद वैश्विक स्तर पर भरोसेमंद बन सकें। राज्यपाल ने मत्स्य पालन के क्षेत्र में उन्होंने कांकेर जिले की सफलता से प्रेरणा लेने और आधुनिक तरीकों को अपनाने की बातें कही।

राज्यपाल श्री डेका ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे केवल नौकरी ढूंढने वाले न बनें, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ रोजगार देने वाले बनें। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सा और डेयरी जैसे विषय केवल पढ़ाई नहीं बल्कि मानवता की सेवा के माध्यम हैं। राज्यपाल ने शिक्षकों और अभिभावकों के योगदान की सराहना करते हुए युवाओं को आत्मविश्वास के साथ देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर.आर.बी. सिंह ने विश्वविद्यालय के प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. मीनेश सी शाह ने दीक्षांत उद्बोधन दिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.पी. राठिया ने समारोह का संचालन किया। इस अवसर पर निदेशक अनुसंधान सेवाएं डॉ. जी.के. दत्ता, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मंजू राय, अधिष्ठाता पशु चिकित्सा महाविद्यालय अंजोरा डॉ. संजय साक्य, अधिष्ठाता मात्स्यिकी महाविद्यालय कवर्धा डॉ. एम.के. गेंदले, अधिष्ठाता दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय रायपुर डॉ. सुधीर उपरीत, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. गिरिश चंदेल, महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रवि आर सक्सेना सहित विश्वविद्यालय के उपाधिधारित विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक उपस्थित थे।

शिक्षा किसी एक दिन समाप्त नहीं होती और सीखने की प्रक्रिया जीवन भर चलती रहती है

राज्यपाल रमेन डेका ने विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। साथ ही उपाधि प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल पढ़ाई पूरी होने का अवसर नहीं है, बल्कि यह जीवन की एक नई जिम्मेदारियों भरी यात्रा की शुरुआत है। राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा किसी एक दिन समाप्त नहीं होती और सीखने की प्रक्रिया जीवन भर चलती रहती है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है और यह क्षेत्र ग्रामीण परिवारों, विशेषकर महिलाओं और छोटे किसानों की आय का प्रमुख साधन है। राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पशुपालन और मत्स्य पालन की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि आज पशुधन क्षेत्र को केवल संख्या बढ़ाने के बजाय आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक पद्धतियों से मजबूत करने की आवश्यकता है।

कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन की भूमिका महत्वपूण-रामविचार नेताम

प्रदेश के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन की भूमिका महत्वपूर्ण है। दीक्षांत केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं है, यह उस नई यात्रा का आरंभ है। जहां ज्ञान, प्रयोग, नवाचार और समाज सेवा एक साथ आगे बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि उपाधि प्राप्त करने के बाद आप सभी छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के नये दूत, नये पद प्रदर्शक और नये परिवर्तनकर्ता है। आपके कौशल, आपके अनुसंधान और आपकी प्रतिबद्धता से किसानों, पशुपालकों और मछुवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है। पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन से जुड़े स्टार्टअप को प्रोत्साहन, अनुदान और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। जब आप किसी पशु का उपचार करते हैं, किसी किसान को मागदर्शन देते है, यह किसी मछुवारें को नई तकनीकी सिखाते है, तब आप पेशेवर नहीं रहते है, आप परिवर्तन के वाहक बन जाते हैं। कृषि मंत्री ने दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं दी।

बापू इन्हें माफ करना....

भिलाई। 30 जनवरी के दिन नाथूराम गोडसे ने गोली मारकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की हत्या कर दी थी। पूरा देश रोया था और गांधी जी की कमी देश के आम लोग आज भी महसूस करते हैं। राजनीतिक रोटी पकाने नगर निगम भिलाई में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा तो स्थापित कर दी गई लेकिन आज बापू की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने कोई नहीं पहुंचा। गांधी जी के प्रतिमा पर 26 जनवरी को माला चढ़ाई गई थी वह माल भी प्रतिमा के गले पर मुरझाई पड़ी है। प्रतिमा के आसपास लगी टाइल्स के रंग उड़ रहे हैं। प्रतिमा की साफ-सफाई भी नहीं हो रही है यह अत्यंत दुर्भाग्यजनक है। हम सिर्फ यह कहना चाहते हैं की बापू इन्हें माफ करना ये लोग नादान हैं।

विभागीय परीक्षा का आयोजन, संभागायुक्त राठौर ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ शासन गृह-सी विभाग (विभागीय परीक्षा प्रकोष्ठ) के अंतर्गत शासकीय अधिकारियों एवं कमर्चारियों के लिए विभागीय परीक्षा का आयोजन 27 जनवरी से 03 फरवरी 2026 तक किया जा रहा है। इस परीक्षा के सुचारु संचालन हेतु भिलाई प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी), दुर्ग को परीक्षा केंद्र के रूप में नामांकित किया गया है। परीक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर ने आज बीआईटी पहुंचकर परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशासन द्वारा परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं।

अपराध 1.60 लाख के बदले 22 लाख की अवैध वसूली का दबाव

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, सूदखोर आरोपी गिरफ्तार, 11 चेकबुक व इकरारनामा जब्त

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले में सूदखोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पदमनाभपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अवैध ब्याज वसूली और धमकी देकर रकम ऐंठने वाले आरोपी हरीश पारख को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित ने 27 जनवरी को थाना पदमनाभपुर में शिकायत दर्ज कराई थी कि स्वास्थ्य खराब होने के कारण उसने आरोपी से 1.60 लाख उधार लिए थे। आरोपी द्वारा 10 प्रतिशत ब्याज वसूला जाता था और समय पर भुगतान न होने पर रकम दोगुनी करने की धमकी दी जाती थी।

पीड़ित अब तक 3.20 लाख मूलधन और ब्याज के रूप में चुका चुका था, इसके बावजूद आरोपी ने दबाव बनाकर बैंक के 11 खाली चेक पर हस्ताक्षर करवा लिए और 22 लाख की मांग करने लगा।

लगातार धमकी और मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर पीड़ित ने पुलिस का सहारा लिया। मामले में अपराध क्रमांक 89/2026 धारा 296, 351(2), 308(2) बीएनएस एवं कर्जा अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने अवैध वसूली और चेक लेने की बात स्वीकार की। इसके बाद 29 जनवरी को उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जप्त सामग्री में 11 हस्ताक्षरित चेक, इकरारनामा, साहूकारी लाइसेंस शामिल हैं। आरोपी में हरीश पारख (60 वर्ष), निवासी न्यू बोर्सी, दुर्ग है।

पुलिस का संदेश

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि सूदखोरी, धमकी या अवैध वसूली से जुड़े मामलों में बिना डर के शिकायत दर्ज कराएं। ऐसे अपराधों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।